



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २९] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई २२, १९७८ (आषाढ़ ३१, १९००)
No. 29] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 22, 1978 (ASADHA 31, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १ PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक ९ जून 1978

सं० ए० ३२०१३/१/७८-प्रशा० १—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में अवर सचिव के पद पर कार्यरत, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी सर्वश्री एस० पी० शर्मा और पी० एन० मुखर्जी को, राष्ट्रपति द्वारा ८-५-७८ से ३०-६-७८ तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

शं० ना० बाजे,
संयुक्त सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक १५ मई 1978

सं० ए० ३२०१४/१/७८-प्रशा० १—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग) स्थायी १—166GI/78

(4069)

वैयक्तिक सहायक तथा इस समय स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० पी० मेहरा को, राष्ट्रपति द्वारा २-५-७८ से ३०-६-१९७८ तक ६० दिन की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अनंतिम अस्थाई और तदर्थ आधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

श्री मेहरा यह नोट कर ले कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर है और (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) में उनके विलयन का या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा। उनकी नियुक्ति कार्यिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन की घर्ती पर ही होगी।

दिनांक २ जून 1978

सं० ए० १२०२४/४/७७-प्रशा० १—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाई अवर सचिव श्री एस० पी०

चक्रवर्ती को, जिन्हें पहले इस कार्यालय की अधिसूचना सं० पी०/271-प्रशा०- दिनांक 22-8-1977 द्वारा 30-9-1977 तक विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर नियुक्त किया गया था, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्त पर 17-10-1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 जून 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के स्थाई ग्रेड 'क' अधिकारी श्री बी० बी० मेहरा को राष्ट्रपति द्वारा 8-5-78 से 30-6-78 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थाई अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा उनके सामने निर्दिष्ट अवधियों के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम	अवधि
सर्वश्री		
1.	बी० एस० कपूर	8-5-78 से 30-6-78 तक
2.	पी० सी० माथुर	10-5-78 से 9-6-78 तक
3	जे० पी० गोपल	15-5-78 से 30-6-78 तक
4.	आर० एन० खुराना	15-5-78 से 14-6-78 तक
5	बी० आर० बर्मा	1-5-78 से 8-7-78 तक

सं० ए० 32013/1/78-प्रशा०-१—इस कार्यालय की समसंबंधिक अधिसूचना दिनांक 29-5-1978 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थाई ग्रेड I अधिकारी श्री आर० एस० अहलूवालिया को राष्ट्रपति द्वारा 1-6-1978 से 31-8-1978 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 जून 1978

सं० ए० 19013/2/78-प्रशा०-१—श्री विनय जा० भा० प्र० से० को राष्ट्रपति द्वारा 16-6-1978 (अपराह्न) से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 जून 1978

सं० ए० 12025(ii)/1/77-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री रघवर दयाल को जिन्हें संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-III दिनांक 24-5-78 द्वारा तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 5/21/77-सी० एस० I दिनांक 15-3-78 द्वारा वाणिज्य मंत्रालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर नामित कर दिये जाने के परिणामस्वरूप 30 जून, 1978 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

प्रा० ना० मुखर्जी,
उप सचिव
प्रशासन प्रभारी
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

तई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1978

सं० ए० 19019/2/78-प्रशा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री राज देव सिह, भारतीय पुलिस सेवा (1949-विहार) को दिनांक 20-6-78 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये विशेष निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी
उप निदेशक (प्र०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

तई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1978

सं० ए० 19036/11/78-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री बी० एच० मिराजकर जो केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आधिक अपराध स्कंध, बम्बई शाखा में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त पर हैं, को दिनांक 3-6-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र कुमार अग्रवाल
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली—110001, दिनांक 15 जून 1978
शुद्धिपत्र

सं० ओ० दो० 1081/78—स्था०—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० ओ० दो० 1081/78-स्था० दिनांक 24 फ़रवरी, 1978 में संबंधित अधिकारी का नाम “डाक्टर विजय कुमार कोडली” के स्थान पर “डॉ के० विजय कुमार” पढ़ा जाये।

दिनांक 17 जून 1978

सं० ओ० दो० 1083/78—स्था०—राष्ट्रपति, डाक्टर मुशोल दत्तात्रेय किनिकर को अस्थाई रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ०, ग्रेड-दो (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 5-5-1978 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जून 1978

सं० ओ० दो० 36/75—स्था०—राष्ट्रपति, श्री आई० के० सहगल, सहायक निदेशक (लेखा), सी० पी० ए० यू०, सी० आर० पी० एफ० को सी० आर० पी० एफ० में उप निदेशक (लेखा) के पद पर दिनांक 25-5-78 से 10-9-78 तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो० 1043/70—स्था०—राष्ट्रपति, ले० कर्नल आर० एल० सरकार को तदर्थ रूप में महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में चिकित्सा अधीक्षक के पद पर 17-6-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक, नियुक्त करते हैं।

ले० कर्नल आर० एल० सरकार की मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर नियुक्ति को 17-6-1978 के पूर्वाह्न से समाप्त किया जाता है।

दिनांक 1 जुलाई 1978

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

सं० ओ० दो० 270/69—स्था०—श्री डी० पी० शर्मा ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप, कमांडेंट-6वीं वाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, के पद का कार्यभार 30-11-77 (अपराह्न) को त्याग दिया है।

सं० ओ० दो० 1053/77—स्था०—राष्ट्रपति, ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डाक्टर (कुमारी) बी० आर० कल्याणी, ग्रुप सैंटर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, पल्लीपुरम का त्यागपात्र दिनांक 19-5-1978 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्दोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्र०)

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली 1, दिनांक 3 जुलाई 1978

सं० 804-सीए०-1/30-78—अपर उपनियंत्रक महा लेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) को सहर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखा परीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये की है तथा नीचे खाना सं० 5 में उल्लिखित तिथियों से प्रत्येक नाम के सामने खाना सं० 4 में लिखे गये कार्यालयों में अन्य आदेश होने तक इसी रूप में उन्हें तैनात किया है।

क्र० सं०	अनुभाग अधिकारी (वा.) का नाम	पदोन्नति के पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के पश्चात् जिस कार्यालय में स्थानापन्न लेखापरीक्षा लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के (वा०) के रूप में तैनाती रूप में नियुक्ति हुई
1	2	3	4

संवेदी

1. के० मैत्रा	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणि- ज्यिक लेखापरीक्षा कल- कत्ता।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता।	30-1-78 (पूर्वाह्न)
2. यू० बी० एस० शर्मा	महालेखाकार-II, तमिल- नाडु।	महालेखाकार-II, तमिलनाडु	24-1-78 (अपराह्न)
3. के० के० दास	महालेखाकार-II पश्चिम बंगाल।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला), कलकत्ता।	28-1-78 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5	6
4.	के० जे० दिवेकर	महालेखाकार (एस० एवं सि० डी०) बन्द्रई	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बन्द्रई	27-1-78	(पूर्वाह्न)
5.	एस० एन० मालाकार	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची।	6-2-78	(,,)
6.	भी० भी० रामामूर्धी	महालेखाकार-II, आंध्र प्रदेश।	महालेखाकार, उड़ीसा	25-2-78	(,,)
7.	निरंजन मन्डल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता।	महालेखाकार असम इत्यादि शिलांग	27-2-78	(,,)
8.	पी० जे० अब्राहम	महालेखाकार, केरल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची।	27-2-78	(,,)
9.	जयगोपाल मन्डल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता।	महालेखाकार, असम इत्यादि, शिलांग।	27-2-78	(,,)
10.	एस० वी० स्वामीनाथन	महालेखाकार-II तमिल नाडु।	महालेखाकार, उड़ीसा	13-2-78	(,,)
11.	सोमनाथ शशी	महालेखाकार जम्मू एवं कश्मीर	महालेखाकार, जम्मू एवं कश्मीर	25-1-78	(अपराह्न)
12.	एम० भी० पन्धारे	महालेखाकार (वैज्ञानिक एवं वाणिज्यिक विभाग) बन्द्रई।	महालेखाकार-II, मध्य प्रदेश	6-2-78	(पूर्वाह्न)
13.	एच० सी० वर्मन	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा मद्रास।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा मद्रास।	27-2-78	(,,)
14.	एस० हरिहरण	महालेखाकार-II तमिलनाडु।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, रांची।	22-2-78	(अपराह्न)
15.	आर० राजगोपालन	महालेखाकार-II तमिल-नाडु।	महालेखाकार, उड़ीसा।	30-1-78	(पूर्वाह्न)
16.	वी० आनन्द मोहन	महालेखाकार-II आंध्र प्रदेश।	महालेखाकार, बिहार, पटना।	24-2-78	(अपराह्न)
17.	एस० डी० रामाराव	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, वगलोर	(,,)	22-2-78	(अपराह्न)
18.	आर० वी० नीमा	महालेखाकार-II, मध्य प्रदेश।	महालेखाकार-II, मध्यप्रदेश।	27-1-78	(पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
19. एम० बी० अग्रवाल	मुख्य लेखापरीक्षक वाणिज्यिक लेखा (सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा बम्बई)।	महालेखाकार, हि० एवं चण्डीगढ़, शिमला।	27-2-78	(पूर्वाह्नि)

सुशील देव भट्टाचार्य
संयुक्त निदेशक (वा०)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पश्चिम रेलवे

बम्बई, दिनांक 30 जून 1978

सं० एस० ए०/एच० क्य०/प्रशासन/LX/6/2043—
इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एम० जी० भाटिया को दिनांक 20-6-1978 (पू०) से स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया है।

आ० ना० बिस्वास
मुख्य लेखा परीक्षक

कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी)

मद्रास-18, दिनांक 9 जून 1978

आदेश

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 नियम-5 के उपनियम (I) के प्रावधान अंतर्गत जारी किये गये सेवासमाप्ति का आदेश :

सं० प्रशा०/11/एस० बी०-2749—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 नियम 5 के उपनियम (I) के प्रावधान, मैं श्री आर० बाल कृष्णन्, अस्थायी चौकीदार एस० बी०-2749 की सेवा तुरन्त समाप्त करता हूं और निर्दिष्ट करता हूं कि जो वेतन भत्ते वह सेवा समाप्ति के तुरन्त पहले पा रहा था उसी वेतन भत्ते के बराबर की धन-राशि या सूचना अवधि के लिये भी अधिवा अपेक्षित सूचना अवधि में जितना दिन कम पड़ता है, उतने दिन के वेतन के भत्ते पाने का हकदार होगा (यथा प्रसंग जैसी बात हो)

आर० बैंकटरामन

रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) वक्षिण

रक्षा भवालय

भारतीय आर्डनैस फैक्ट्रियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनैस फैक्ट्रियां

कलकत्ता, दिनांक 28 जून 1978

सं० 31/78/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्तकर, श्री आर० के० घोष, स्थानापन्न प्रबंधक (मौलिक एवं स्थायी उप-प्रबंधक) दिनांक 31-1-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 32/78/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करने पर श्री आई० बी० घोष, मौलिक एवं स्थायी सहायक महानिदेशक, आर्डनैस फैक्ट्रियां प्रेड-II, दिनांक 31 मई, 1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक, आर्डनैस फैक्ट्रियां,

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1978

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/155/54-प्रशासन (राज०)/4670—राष्ट्रपति श्री ओ० एन० आनन्द, उप मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रण केन्द्रीय सचिवालय सेवा से द्वारा को बिल्कुल तदर्थ एवं अस्थायी आधार पर 1 जनवरी, 1978 से 3 जनवरी, 1978 तक की ग्राही तीन दिनों की अवधि के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वै० शेषाद्रि,
मुख्य नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1978

सं० प्र०-1/1(954)—निरीक्षण निदेशक (धातु), बर्नपुर के कार्यालय में स्थायी सहायक निदेशक (प्रशासन प्रेड-II) श्री एस० एन० दत्त दिनांक 31 मई, 1978 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

(प्रशासन अनुभाग-6)

सं० प्र-6/247/(331)/61/11-राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए के प्रेड-III की धातुकर्म शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री पी० के० गायन को दिनांक 16 मई, 1978 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर नियक्त करते हैं।

श्री गायत्र दिनांक 8-11-77 (पूर्वाह्नि) से धातुकर्म निरीक्षणालय, वर्नपुर के अधीन कलकत्ता उप कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के रूप में तदर्थ आधार पर पदोन्नत हुए थे।

श्री गायत्र दिनांक 16-5-1978 से दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)
कुते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1978

सं० प्र०-1/1(1122)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री ए० आर० सुश्रामणियन को दिनांक 1-6-78 के पूर्वाह्नि से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1 (1124)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अवर प्रगति अधिकारी श्री ए० नरेन्द्रा को दिनांक 30-5-78 (पूर्वाह्नि) से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

(प्रशासन शाखा-6)

सं० प्र०-6/247(287)/60-11—स्थायी भौतिकी सहायक और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के कलकत्ता निरीक्षण मण्डल में भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के० ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी श्री के० एन० गागूली दिनांक 30-4-1976 (अपराह्नि से एफ० आर० 56) जो के अधीन सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक प्रशासन
कुते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1978

सं० प्र०-6/247 (92) /58/वार०—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के० स्थायी अधिकारी श्री सी० आर० सरकार को दिनांक 13 जून, 1978 के पूर्वाह्नि से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उपमहानिदेशक (निरीक्षण) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री सरकार ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में निरीक्षण निदेशक का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 13 जून, 1978 के पूर्वाह्नि से इसी कार्यालय में उप महानिदेशक (निरीक्षण) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-6/247 (458)/63—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के० ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा के अधिकारी

श्री जी० बालकृष्णन को दिनांक 13 जून, 1978 के पूर्वाह्नि से और आगामी आदेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-1 में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री जी० बालकृष्णन ने दिनांक 31 मई, 1978 के अपराह्नि को मद्रास में उपनिदेशक निरीक्षण (इंजीनियर) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 13 जून, 1978 के पूर्वाह्नि से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली के मुख्यालय में निरीक्षण निदेशक का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 30 जून 1978

सं० प्र०-6/247 (295)/65-II—राष्ट्रपति, जमशेदपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म) श्री ए० के० मजुमदार को 16-5-1978 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III (ग्रुप 'ए०') की धातुकर्म शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) के रूप में नियमित रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मजुमदार ने 15-5-78 के अपराह्नि से सहायक निरीक्षण, अधिकारी (धातुकर्म) का पद भार छोड़ दिया और 16-5-78 के पूर्वाह्नि से निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म), जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) का पदभार ग्रहण कर लिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान व्यूरो

नागपूर, दिनांक 1 जुलाई 1978

सं० ए०-19011/154/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री ए० स० के० घोष सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी, भारतीय खान व्यूरो को दिनांक 9 जून, 1978 के अपराह्नि से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में 1100-50-1600 के वेतन पर उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए०-19011/121/77-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री के० ए० स० राज०, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी, भारतीय खान व्यूरो को दिनांक 9 जून, 1978 के अपराह्नि से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में 1100-50-1600 के वेतन पर उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए०-19011/166/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री ए० स० राजगोपालन' सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी भारतीय खान व्यूरो को दिनांक 9-6-78 से अपराह्नि से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में 1100-50-1600 के वेतन पर उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जाती है।

दिनांक 3 जुलाई, 1978

सं० ए०-19011/165/77-स्था०—राष्ट्रपति, श्री के० सी० अग्रवाला, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी, भारतीय खान

ब्यूरो को दिनांक 9-6-78 के प्रभराहू से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में 1100-50-1600 के बेतन पर उप अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एम० बालगोपाल,
कार्यालय ग्रन्थक
भारतीय खान ब्यूरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1978

सं० ए०-12025/11/77-स्टोर-1—राष्ट्रपति ने श्री एम० जोगयू, सहायक फैक्टरी मैनेजर को 17-6-78 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, मद्रास में डिपो मैनेजर (ग्रुप ए० राजपत्रित) के पद पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह,
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1978

सं० ए०-12026/33/77-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक निम्नलिखित दन्त सर्जनों को उनके नामों के सम्बुद्धी गई अवधि से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में तवर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

1. डा० (श्रीमती) सुषमा माथुर-13 मार्च, 1978 से
आगामी आदेशों तक

2. डा० आर० के० खुलर को 13 मार्च, 1978 से 12 जून,
1978 तक।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना
अणुशक्ति, दिनांक 28 जून 1978

सं० राष्ट्रपिप/भर्ती/7 (6)/78/861—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, इस परियोजना के स्थापित सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री के० बालन को इसी परियोजना में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी के पद पर दिनांक 5 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1978

सं० ए०-32014/1/76-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एन० सुब्रह्मण्यम की पालम एयरपोर्ट पर सहायक

विद्युत और यार्डिकारी के पद पर की गई तदर्थे नियुक्ति की अवधि को 26 अक्टूबर, 1977 से 30 सितम्बर, 1978 तक की अवधि के लिए या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी प्रदान की है।

दिनांक 30 जून 1978

सं० ए०-38015/14/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमान खेदपूर्वक यह घोषित करते हैं कि श्री एस० के० शर्मा, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई का निधन 24-5-78 को हो गया है।

सत्य देव शर्मा,
उप निदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क
समाहर्तालिय
नागपुर, दिनांक 29 जून 1978

श्र० कं० 8/78—श्री एम० एम० शिराजी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समाहर्ता भेद पुणे ने, उनकी स्थानांतरण पर, महायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-1, नागपुर का श्री बी० एल० गांगाधर, सहायक समाहर्ता, जो अतिरिक्त रूप से कार्यभार संभाल रहे थे को कार्यभार मुक्त कर दिनांक 12 जून, 1978 के पूर्वाह्न से कार्यभार संभाल लिया।

माधव पहलकर,
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून, 1978

सं० ए०-32014/1/77-प्रशासन पंच—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-ख) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्रीमती विजयम रवीन्द्रानाथन, पर्यावरण, को पदोन्नति पर प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर दिनांक 17 जून, 1978 की पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

(2) श्रीमती विजयम रवीन्द्रानाथन अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के पद पर उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रहेगी।

जे० के० साहा,
अवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून, 1978

सं० 1/16/69-ई० सी०-9—इस विभाग के स्थानापन्न मुख्य वास्तुक श्री जे० एम० बेंजामिन वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर

सरकारी सेवा से दिनांक 30-6-78 (दोपहर के बाद) को सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 30 जून, 1978

सं० 1/333/69-ई० सी०-९—राष्ट्रीयति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के स्थायी वास्तुक श्री संगत सिंह के दिनांक 23-3-78 का सेवा निवृत्ति संबंधी नोटिस स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री संगत सिंह को दिनांक 30-6-78 (अपराह्न) से सेवा निवृत्ति समझा जाए।

कृष्ण कान्त,
प्रशासन उपनिदेशक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पांडु, दिनांक 28 जून, 1978

सं० ६०/५५/iii/192(०)—सिगनल एवं दूर-संचार विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, उनके नाम के सामने उल्लिखित तारीख से, द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक सिगनल एवं दूर-संचार इंजीनियर के रूप में स्थायी किये जाते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	स्थायी किया गया
1. श्री के० सी० चक्रवर्ती		16-10-77
2. श्री डी० के० घोष		1-12-77
	म० रा० न० मू०	मू०
		महा प्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होम प्रापर्टीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 30 जून 1978

सं० 869/560 (५)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (५) के अनुसरण में एसद्वारा सूचना दी जाती है कि होम प्रापर्टीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पठ्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी, अधिनियम 1956, और एम० एम० सेल्स एण्ड इक्सपोर्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिंि के विषय में।

कानपुर, दिनांक 30 जून 1978

सं० 6527/3158 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (५) के अनुसरण में एसद्वारा सूचना दी जाती है कि एम० एम० सेल्स एण्ड इक्सपोर्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

एम० एल० शाह
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
य० पी०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और सफरी ट्रूवल्स लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1978

सं० 6591/3391-एल० सी०—अधिनियम 1956 की उपधारा 560 की उपधारा (३) के अनुसरण में एसद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर सफरी ट्रूवल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० नारायणन
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
य० पी०, कानपुर

कार्यालय, आयकर आयुक्त,

दिल्ली-४ नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1978

आदेश

सं० जुरि/दिल्ली/४/३/७८-७९/९५१६—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का ४३वा) की धारा 124 की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभन शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-४, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि कालम-२ में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट-३ के आयकर बाड़ी का नाम कालम-३ में किए गए उल्लेख के अनुसार रखा जायेगा।

क्र० वार्ड का वर्तमान नाम	वार्ड का पुनः रखा गया नाम		
सं०	1	2	3
1. डिस्ट्रिक्ट-३ (७), अतिरिक्त, नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट-३-ए (१), नई दिल्ली		
2. डिस्ट्रिक्ट-३ (३०), नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट-३-ए (२), नई दिल्ली		

1	2	3
3. डिं-3 (1), नई दिल्ली	डिं-3-ए (3), नई दिल्ली।	
4. डिं-3 (14) पहला अतिरिक्त, नई दिल्ली	डिं-3-ए (4), नई दिल्ली।	
5. डिं-3 (2) नई दिल्ली	डिं-3-ए (5), नई दिल्ली	
6. डिं-3 पहला अतिरिक्त सर्वे सकिल नई दिल्ली	डिं-3-ए (6), नई दिल्ली	
7. डिं-3 (34), नई दिल्ली	डिं-3-ए (7), नई दिल्ली	
8. डिं-3 (7), नई दिल्ली	डिं-3-ए (8), नई दिल्ली	
9. डिं-3 (32), नई दिल्ली	डिं-3-ए (9), नई दिल्ली	
10. डिं-3 पाचवां अतिरिक्त सर्वे सकिल नई दिल्ली	डिं-3-ए (10), नई दिल्ली	
11. डिं-3 (26), नई दिल्ली	डिं-3-बी (1), नई दिल्ली	
12. डिं-3 (16), अतिरिक्त नई दिल्ली	डिं-3-बी (2), नई दिल्ली	
13. डिं-3 (16), नई दिल्ली	डिं-3-बी (3), नई दिल्ली	
14. डिं-3 (9) नई दिल्ली	डिं-3-बी० (4) नई दिल्ली	
15. डिं-3 (8), नई दिल्ली	डिं-3-बी (5), नई दिल्ली	
16. डिं-3 सर्वे सकिल, नई दिल्ली	डिं-3-बी (6), नई दिल्ली	
17. डिं-3 (18), नई दिल्ली	डिं-3-बी (7), नई दिल्ली	
18. डिं-3 (25), नई दिल्ली	डिं-3-बी (8), नई दिल्ली	
19. डिं-3 (5), नई दिल्ली	डिं-3-सी (1), नई दिल्ली	
20. डिं-3 (6), नई दिल्ली	डिं-3-सी० (2), नई दिल्ली	
21. डिं-3 (4), नई दिल्ली	डिं-3-सी० (3), नई दिल्ली	
22. डिं-3 (11), नई दिल्ली	डिं-3-सी (4), नई दिल्ली	
23. डिं-3 (24), नई दिल्ली	डिं-3-सी (5), नई दिल्ली	

1	2	3
24. डिं-3 (10), नई दिल्ली	डिं-3-सी (6), नई दिल्ली	
25. डिं-3 (12), नई दिल्ली	डिं-3-सी० (7), नई दिल्ली	
26. डिं-3, सर्वे साकल, नई दिल्ली	डिं-3-सी० (8), नई दिल्ली	
27. डिं-3 (13), नई दिल्ली	डिं-3-सी (9), नई दिल्ली	
28. डिं-3 (17), नई दिल्ली	डिं-3-सी० (10), नई दिल्ली	
29. डिं-3 (3), नई दिल्ली	डिं-3-झी (1), नई दिल्ली	
30. डिं-3 (14), नई दिल्ली	डिं-3-झी (2), नई दिल्ली	
31. डिं-3 (15), नई दिल्ली	डिं-3 डी (3), नई दिल्ली	
32. डिं-3 (28), नई दिल्ली	डिं-3-झी (4), नई दिल्ली	
33. डिं-3 (29), नई दिल्ली	डिं-3-झी (5), नई दिल्ली	
34. डिं-3 (35), नई दिल्ली	डिं-3-झी० (6), नई दिल्ली	
35. डिं-3 तीसरा अतिरिक्त सर्वे सकिल	डिं-3-झी (7), नई दिल्ली	
36. डिं-3 चौथा अतिरिक्त सर्वे सकिल	डिं-3-झी (8), नई दिल्ली	
यह आदेश 1-7-1978 से लागू होगा।		

आयकर

एफ०स०जुरि/दिल्ली/4/78-79/9642—इस विषय पर धारा 124 और 127 के अंतर्गत पहले के सभी आदेशों का अधिक्रमण करते हुए और आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अक्षियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट-3 के आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में निर्दिष्ट क्षेत्रों व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों तथा आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे किन्तु इनमें वे व्यक्ति, व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं हैं जो आयकर आयुक्त/बोर्ड द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 और 127 के अंतर्गत

किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हो या इसके बाद सौंपे जाएँ :—

2. किसी अधिकारी को सौंपे गए क्षेत्रों की सीमाओं के भीतर उसका अधिकार क्षेत्र निम्नलिखित के बारे में होगा :—

(क) कोई कारोबार या व्यवसाय करने वाले किसी भी व्यक्ति के बारे में, यदि उसके कारोबार या व्यवसाय का स्थान उस क्षेत्र के भीतर स्थित हो या यदि उसका कारोबार या व्यवसाय एक रो अधिक स्थानों पर चलाया जाता हो तो यदि उसके कारोबार या व्यवसाय का मुख्य स्थान उस क्षेत्र के भीतर स्थित हो।

(ख) उस क्षेत्र के भीतर रहने वाले किसी भी दूसरे व्यक्ति के बारे में

(ग) यह अधिसूचना 1-7-1978 से लागू होगी।

दिनांक 1 जुलाई 1978

आयकर

सं० जुरि/दिल्ली/4/आई० प० सी०/78-79/9868—
इस कार्यालय की दिनांक 19-4-1977 की अधिसूचना एफ० सं० जुरि/दिल्ली/दिनांक/4-7-78/1476 में आंशिक परिवर्तन करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सबध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निरिक्षय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निरिक्षय डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के बगै़ी या आय या आय के बगै़ी या मामलों या मामलों के बगै़ी के बारे में उक्त अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रेज का नाम

आयकर डिस्ट्रिक्ट/
सर्किल

1	2	3
1. निरीक्षय सहायक आयकर आयुक्त रेज-3ए, नई दिल्ली	1. डिस्ट्रिक्ट-3-ए-1 2. डिं-3-ए-2 3. डिं-3-ए-3 4. डिं-3-ए-4 5. डिं-3-ए-5 6. डिं-3-ए-6 7. डिं-3-ए-7 8. डिं-3-ए-8	

1	2	3
9. डिं-3-ए-9 10. डिं-3-ए-10		
2. निरीक्षय सहायक आयकर आयुक्त रेज-3बी, नई दिल्ली	1. डिं-3-बी-1 2. डिं-3-बी-2 3. डिं-3-बी-3 4. डिं-3-बी-4 5. डिं-3-बी-5 6. डिं-3-बी-6 7. डिं-3-बी-7 8. डिं-3-बी-8 9. ट्रास्पोर्ट सर्किल 10. पहला अतिरिक्त ट्रास्पोर्ट सर्किल	

3. निरीक्षय सहायक आयकर आयुक्त रेज-3सी, नई दिल्ली	1. डिं-3सी-1 2. डिं-3सी-2 3. डिं-3सी-3 4. डिं-3सी-4 5. डिं-3सी-5 6. डिं-3सी-6 7. डिं-3सी-7 8. डिं-3सी-8 9. डिं-3सी-9 10. डिं-3सी-10
---	--

4. निरीक्षय सहायक आयकर आयुक्त रेज-3डी, नई दिल्ली	1. डिं-3-डी-1 2. डिं-3-डी-2 3. डिं-3-डी-3 4. डिं-3-डी-4 5. डिं-3-डी-5 6. डिं-3-डी-6 7. डिं-3-डी-7 8. डिं-3-डी-8
---	--

यह अधिसूचना 1-7-1978 से लागू होगी।

विषय.—कर वसूली अधिकारियों में कार्यभार का वितरण।

फ स० सी० आई० टी०-4/जुरि/टी०आर० श्रो०/78-79/10537—इस विषय पर पहले के सभी आदेशों का अधिक्रमण करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि निम्नलिखित कर वसूली अधिकारी दिनांक 1-7-78

से, कालम-4 से निर्दिष्ट आई० ए० सी० रेंजों के अंतर्गत आने वाले डिस्ट्रिक्टों/वाइँटों के संबंध में अपने कार्य करेंगे।

क्र०	पदनाम	काम का वंटवारा	आई० ए०
सं०		सी० का	
		प्रशासनिक नियन्त्रण	

1	2	3	4
---	---	---	---

1. कर वसूली अधिकारी-6, पहले के बाईं नई दिल्ली

डिं०-3(1), 3(2) आई० ए०
3(7), 3(7) सी० रेज-3
अतिरिक्त ए
3(14) पहला अति-
रिक्त निष्कातसक्ति
3(30), 3(32)
3(34) पहला अति-
रिक्त सर्वे सक्ति 3
आई०ए० सी० रेज-3ए
की धारा 135(1)
के अंतर्गत सौंपे गए
सभी मामले।
नए पुनः नामोदिष्ट बाईं
बाईं 3-ए(1), 3-ए
(2), 3-ए (3),
3-ए(4), 3-ए(5),
3-ए-(6), 3-ए(7),
3-ए(8), 3-ए(9)
ब 3-ए-(10)

2. कर वसूली अधि-

कारी-12, नई दिल्ली पहले के बाईं

1. डिं०-3(8), 3(9) आई० ए०
3(16), 3(16) सी० रेज-3-
अतिरिक्त, 3(18), बी
3(25), 3(26)
सर्वे सक्ति-3
2. परिवहन सक्ति,
नई दिल्ली
3. पहला अतिरिक्त
परिवहन सक्ति,
नई दिल्ली।
नए पुनः नामोदिष्ट
बाईं

1. बाईं 3बी(1), 3बी
(2), 3बी(3), 3बी
(4), 3बी(5), 3बी
(6), 3बी (7),

1	2	3	4
---	---	---	---

तथा 3बी (8)

2. परिवहन सक्ति
3. पहला अतिरिक्त
परिवहन सक्ति
नई दिल्ली।

3. कर वसूली अधिकारी-

7 नई दिल्ली डिं०-3(4), 3(5), आई० ए०
3(6), 3(10), सी० रेज-
3(11), 3(12), 3-सी०
3(13), दूसरा अति-
रिक्त सर्वे सक्ति-3,
3(17), ब 3(24)
नए पुनः नामोदिष्ट बाईं
3-सी०(1), 3-सी०(2),
3-सी०(3), 3-सी०(4)
3-सी०(5), 3-सी०(6),
3-सी०(7), 3-सी०(8),
3-सी०(9),
तथा 3-सी०(10)।

4. कर वसूली अधि-
कारी-19 नई दिल्ली

पहले के बाईं
1. डिं०-3(3), आई० ए०
3(14), 3(15), सी० रेज-
3(28), 3(29) 3-डी० नई
3(35) दिल्ली
2. तीसरा अतिरिक्त
सर्वे, सक्ति-3, नई
दिल्ली।
3 चौथा अतिरिक्त
सर्वे सक्ति-3,
नई दिल्ली
नए पुनः नामोदिष्ट बाईं

डिं०-3-डी०(1),
डिं०-3-डी०(2),
डिं०-3-डी०(3),
डिं०-3-डी०(4),
डिं०-3-डी०(5),
डिं०-3-डी०(6),
डिं०-3-डी०(7),
डिं०-3-डी०(8)
नई दिल्ली।

ए० जे० राणा
आयकर आयुक्त, दिल्ली-4
नई दिल्ली

प्रसूत भाई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई, 1978

निवेश सं० सी० एच० डी०/108/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 1/2 मंजला मकान नं० 3183, सैक्टर 21-डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेज से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही अक्सी धार्य की वाबत उक्त आयेनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे लक्जने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या निसी वन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रास्तारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुच्छेद में, वे, अक्षय अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित अधिनियमों वर्तात् :—

(1) श्री विजय कुमार सहगल पुत्र श्री दवारका दास सहगल द्वारा सहगल सैनीट्री फिटिंग्ज़ (पी०) लि०, गांव चुहड़वाली, डाकखाना आदम पुर दोग्राबा जिला जलधर (पंजाब) (अन्तरक)

(2) श्री पमी नन्द गर्ग पुत्र श्री राम किशन दास निवासी 308 सैक्टर 22-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

(3) (i) स्टेट बैंक ऑफ इंडीया, 3183, सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़

(ii) श्री पी० सी० गुप्ता, 3183, सैक्टर, 21-डी, चण्डीगढ़।

(iii) श्री राम नाथ धापटू, 3183, सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी भ्रष्टेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरिंद्री अविक्षियों पर मूल्यना की तारीख ये 30 दिन की प्रवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वितीय विकास द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिरे जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसचो

2½ मंजला मकान नं० 3183 सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़ में स्थित और जिसका क्षेत्रफल 249.40 वर्ग गज है।

"सम्पत्ति जैसे रजिस्ट्रेशन नं० 1297 में दी गई है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में 28-2-1978 को लिखा गया।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राइडी० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्ता

26८-व (1) के भवीत सूचना

भारत लखनऊ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई, 1978

निर्देश सं० सी० एच० डी०/105/77-78—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भवीत सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण वृंदि के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 1049 सैकटर 27-बी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की वायत उक्त अधिनियम के भवीत कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी छन या अन्य मासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्दात् :—

(1) श्री तारा सिंह पुत्र श्री बसावा सिंह 610, सैकटर 18, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) (i) श्रीमती प्रेम लता गुप्ता पत्नी श्री प्रताप सिंह

(ii) श्री मोहित कुमार सिंह नवालग पुत्र श्री प्रताप सिंह सभी निवासी 47, इंडस्ट्रीप्ल एरीया, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके "पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष्टः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ग्रन्ति की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20क में परिचित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूचा।

मकान नं० 1049 जो सैकटर 27-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 1497.55 वर्ग गज है।

"सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 1282 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में 27-2-1978 को लिखी गई।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जुलाई, 1978

निवेश सं० 84/78-79—यत्. मुझे, के० एस० वेक्टर-रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है,

और जिसकी सं० 4 जो 1-7-27 से 34 तक है, जो एम० जी० रोड, में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 9 (1908 का 16) के प्रधीन, नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण निम्नमें वास्तविक रूप से कथित ही नियम गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बावजूद, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक से दृश्यमान में कमी करने या उसमें बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनमार्ये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अपर्याप्त :—

(1) मेसर्स युनायटेड बिल्डर्स, 9-1-41 एम० जी० रोड, सिकंदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती अमीना बेगम, 11-5-196 रेड हिल्स, हैदराबाद (अन्तरिती)

को मद्द सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी अप्पिङ्गें पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी अक्षित द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोक्त अ :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 दुकान नं० 4 जो 1-7-27 से 34 तक है और 1-7-206 तथा 228 एम० जी० रोड, सिकंदराबाद जिसका दस्तावेज सं० 1913/77 जो रजिस्ट्री कार्यालय सिकंदराबाद में है। ।

के० एस० वेक्टररामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्ररूप प्राप्ति २० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा २६९-ष (1) ते प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

ज हैदराबाद, दिनांक 1 जुलाई, 1978

जजनिर्देश सं० 85/78-79-यतः मुझे, को० एस० वेंकट-
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा २६९-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास बरते का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० दुकान सं० 32 ए० 33 जो 1-7-26-34
एम० जी० रोड, सिकंदराबाद में है स्थित है (और इससे
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी
अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवंबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का अन्तर अतिशय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्राप्ति
निवित में शास्त्रात्मक रूप से कथित नहीं किया गया :-:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी हिस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-हर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
मर्या था या किया जाना चाहिए था, उपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणि:-:-

- (1) मेसर्स युनायटेड बिल्डर्स, 9-1-41 टुबाको
बाजार, सिकंदराबाद। (अन्तरक)
(2) मक्कर सुलताना 11-5-1968 रेड हिल्स,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी रखके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षेत्राधीनी के पास
लिखित में किए जा सकें।

संबोधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 32 और 33 जो ईमारत नं० 1-7-26 से
34 और 1-7-206 ते 228 तक में स्थित हैं जो एम०
जी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है और रजिस्ट्री नं०
1861/77 जो सिकंदराबाद के रजिस्ट्री अधिकारी के
कार्यालय में है।

को० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 1-7-78

मोहर :

प्र० ३१० डी० इन० एस०—

प्रत्यक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जूलाई, 1978

निर्देश सं० 86/78-79-अतः मुझे, के० एस० वेंकट-
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। इसके स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० मलगी नं० 24 जो 1-7-27 से 34, है जो एम० डी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया जया है :—

(क) अन्तरा से ही हिसों प्राप्त की जाता, ३५० अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने द्वारा उससे उचित रूप से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रदृष्ट होने विषय या या या किया जाना चाहिए या, छापने में मुद्रित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का वारा 269 व (1) के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित विविधा पर्याप्त :—

- (1) श्री मैसर्स युनाथटेड बिन्डर्स, 9-1-41 टुबाको बाजार, सिकंदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रमाबाई, 1-5-7-247, बेगम बाजार, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त अधिनियम के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आक्षय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में अनप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भय व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभा-
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 24 जो इमारत सं० 1-7-27 से 34 और 206 से 228 तक के हैं जो एम० जी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित हैं और जिसका रजिस्ट्री नं० 1859/77 जो सिकंदराबाद रजिस्ट्री के कार्यालय में है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जुलाई, 1978

निवेश सं० 87/78-79-पतः मुझे, के० एस० बैंकट-
 रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-व
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 15 जो 1-7-27 से 34 है
 जो एम० जी० रोड सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे
 उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिकंदराबाद में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन नवंबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
 बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है:—

(क) अभ्यरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अवधियों, अर्थात्,—

3—166GI/78

ज (1) मैसर्स युनायटेड बिल्डर्स, 9-1-41 टुबाको
 बाजार, सिकंदराबाद। (अन्तरक)
 (2) श्रीमती पदमाबाई 15-7-247, बैंगम बाजार,
 हैदराबाद। (अन्तर्स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवर्तित
 है, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 15 जो इमारत सं० 1-7-27 से 34 तक
 में है जो एम० जी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है और
 जिसका रजिस्ट्री सं० 1860/77 जो सिकंदराबाद के रजिस्ट्री
 अधिकारी के कार्यालय में है।

के० एस० बैंकटरामन
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई, 1978

निर्देश सं० 88/78-79-यतः मुझे, के० एस० वेंकट-
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी सं० 8 है, जो 139, एम० जी०
रोड, सिकंदराबाद स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से बुरी किसी आव की वावत उक्त अधिनियम के
अधीन कर देने के अन्तरक के आयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

यतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ब की चपकारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

- (1) श्री मैसेर्स युनायटेड विल्डरस, 9-1-41, दुश्माको
सिकंदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री बी० रुकमया, 8-1-17, मार्केट स्ट्रीट,
सिकंदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 8 जो ईमारत नं० 139, एस० जी० रोड,
सिकंदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण सं० 2097/
77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सिकंदराबाद कार्यालय में
है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास 600006,

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1978

निर्देश सं० 5866/अक्टोबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 68, दूसरा मेयिन रोड, गांधी नगर, अड्यार, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, सेंदापेट (मद्रास) डाक्युमेण्ट 430/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

(1) श्री टी० एस० शंकर,
(2) श्री टी० एस० वेंकट सदासिवम,
(3) श्रीमती वेपा पकुन्तला,
(4) श्रीमती शान्ता सारनि,
(5) श्री चन्द्र राव;

(अन्तरक)

श्री पी० जी० श्रीनारायण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आन्तरिक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 20, अड्यार, गांधी नगर, दूसरा मयिन रोड, डोर सं० 68 में 5 ग्रज्ज और 1045 स्क्युयर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 1 जुलाई 1978

निदश सं० 5872/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के०
पोन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास 18, आल्वार्पेट, मुरेस गेट रोड,
डोर सं० 19/ए में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मैलापूर 'मद्रास' (डाकुमेण्ट 917/77) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-10-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से तुझे किसी आय की घावत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के भन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या पन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस० वी० राजगोपाल अय्यर (भन्तरक)

(2) श्रीमती रादै अम्माल (भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामोत्तम से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के प्रयोग 20-क में
परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस प्रयोग
में दिया गया है।

ममुसूची

मद्रास 18, आल्वार्पेट, मुरेस गेट रोड, डोर सं०
19/ए।

के० पोन्न,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-7-1978

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०——

(1) श्री ओयो रामलद्धम नर्सिहन

(प्रान्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख (1) के प्रतीन सूचना।

(2) (1) श्री बी० उमेंदुर रहमान,
 (2) बी० हलील अहमद

(अन्तरिक्षी)

प्राण सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीकण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 1 जलाई 1978

निर्देश सं० 5900/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के०
पोषन,

श्रायकर ग्रन्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रन्थिनियम' कहा गया है) की द्वारा 269-ख के ग्रन्थीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मद्रास 17, रामसामि स्ट्रीट, डोर सं० 8 में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I मद्रास नार्ट 'डाकुमेण्ट 3022/77, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रन्थीन, तारीख अक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त व्यापारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के पास सिल्लित में किये जा सकेंगे।

इष्टदीक्षणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं प्रथम होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

(क) घटनारण से हुई किसी घायल की बाबत, उच्चत अधिकारी, नियम, के प्रधानीन कर देने के घटनारक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।

असंख्यी

मद्रास-17, टी० नगर, रामसामि स्ट्रीट, ढोर सं० 8
से ३ घुड़प्प और १६९३ स्क्युर फीट (मकान के साथ)।

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हे भारतीय पायकर भवित्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भवित्वनियम, या धनकर भवित्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किमांचाना खालिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० पोषन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : १-७-१९७८

पौहर

प्रस्तुप श्राइं. टी० एम० एस०—

(1) श्री पी० वी० हुश्चमूर्ती एण्ड अनर्स (अन्तर्रत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

द्वारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज- , मद्रास

मद्रास, 600006 दिनांक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं० 5944/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5, राजा चार स्ट्रीट, मद्रास 17 में स्थित है (और इससे उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास 'डाकुमेण्ट' 761/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ताप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः धन; उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व के प्रयोगण में, मे, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री के० पलनियपन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रधोहस्तानी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-17, राजा चार स्ट्रीट, डोर सं० 5 में 7471 स्क्युर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन्ट रेज-II, मद्रास

तारीख: 1-7-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० दी० इन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आवाया

269 घ (1) के अधीन सूचना

भास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त] (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 9 जून 1978

निदेश सं० ए०-१८५/क० आर० जे०/७८-७९/१९९२-९३

—अतः मुझे, एगबर्ट सिंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० दाग सं० 5056 और 5057, खतियान सं० 3408 है तथा जो परगना कुसियार कुल, भोजा बनामाली करिमगन्ज में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करीमगन्ज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-२-१९७८ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा यामा गया प्रतिफल, निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विविहत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानुसार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार भौमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्ननिमित्त व्यक्तियों, जर्जाति:—

(1) गोविन्द चन्द्र शाहा, स्वर्गीय दित्यनंद गाहा क पुत्र, एन्टोनि बाजार लेन, कलकत्ता-९
(अन्तरक)

(2) सौमान्दु भट्टाचार्जि, सनतकुमार भट्टाचार्जि का पुत्र वार्ड नं० 5, करीमगन्ज, कछाड़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायांवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हिन्दू फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावरी के ताम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ए में परिचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमीन के परिमाप 2095 वर्गफुट, साथ में एक मकान उसके परिमाप 1,700 वर्ग फुट जो कि मदन मोहन रोड, करिमगन्ज बाजार, कछाड़ जिला, आसाम में स्थित है।

एगबर्ट सिंग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 9-६-१९७८

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1978
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर० ३/प्रकृ०/१ (3)/५५/७७-७८—अतः मुझे जो० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या बी 273 है तथा जो ग्रेटर कैलाश 1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त सम्पत्ति के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रटूट नहीं किया गया था या किया जाना आदित था, छिनाने में सुविधा के लिए

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. मै० गणेश दास रामगोपाल (फर्म)
द्वारा श्रीमती लक्ष्मी शुनक्षुनवाला,
1 चितरंजन एवेन्यु, कलकत्ता 13
(अन्तरक)

2. श्रीमती उषा मेरा पत्नी श्री ए० बी० मेरा
निवासी बी-273-बी ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में सितवद्ध किसी अन्य अवित द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेक मंजिला जायदाद जिसका प्लाट नं० बी-273 बी, क्षेत्रफल 325 वर्गगज जो कि ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली में है।

जे० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3-7-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I एस० आर० 3/328/फर०/77-78/1631—अतः मुझे, जो० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी संख्या 18/3 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 17-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सम्मति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) सम्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) में के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथत् :—

4—166GI/78

1. श्री गुरुदीत सिंह छावड़ा पुत्र श्री जागीरा मल, निवासी 18/3 कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुलबीर कौर पत्नी एस० महिन्दर सिंह निवासी 19/11 कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पन्नीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रय॑ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला जायदाद नं० 18/3 क्षेत्रफल 200 वर्गमील जो कि कालकाजी, नई दिल्ली में है।

जे० एस० गिल,
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-1

तारीख : 3-7-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एकवी/भोपाल 78-79/996—
अतः मुझे, रा० कु० बाली,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० टाकीज है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है
(शौर इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-10-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से
अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) पौर (अस्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी प्राय या इसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिसमें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रनालिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिखते में मूर्चिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री सी० ए० फालके (2) शिवाजी राव फालके
(3) श्री सम्भाजी राव फालके (4) श्री आवाजी
राव फालके सभी पुत्र श्री स्व० ए० बी० फालके
(5) श्रीमती कंचन माला फालके पत्नी श्री
ग्रेसा जी राव फालके, फालके बाजार ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला शिवहरे

पत्नी श्री हरी किशन शिवहरे निवासी "ग्यान भवन",
खुला सत्तार मुरार, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से
किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"कृष्णापियेटर" का आधा भाग म्युनिसिपल बियरिंग नं०
1329/7, वार्ड नं० 4, ग्वालियर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन लेख, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निर्वेश सं० आई० ऐ० सी०/एफवी/भोपाल/ 78-79/997—

मत: मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- वर्षे से अधिक है,
और जिसकी सं० मकान व अन्य है, तथा जो रायपुर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-10-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भरत: भव, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ष के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपशारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्ठा 1—

1. श्री राधा किशन पुत्र श्री ईशरी मल निवासी
नेवरा, तह० रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सांवरमल पांडीया पुत्र श्री द्वारकादास पांडीया
निवासी कचहरी रोड, राऊर केला, जिला सुन्दर-
गढ़, उड़िसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
रायंवाहिणा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 597 साथ गोदाम रोड ग्राम नेवरा—
मोहल्ला मोहतापारा तह० व जिला रायपुर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रणय आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन भेल भोपाल

भोपाल, क्रिमांक 9 मई 1978

निर्देश सं० आई० से० सी० एक्वी/भोपाल-78 79/998
—अतः मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-10-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य ग्राहितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सहगल (2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री सेठ गुलाबचन्द (3) श्री सतीश कुमार (4) श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री केशरमल—छाबड़ा निवासी विवेकानन्द नगर, रायपुर।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती ईश्वरी बाई पत्नी श्री शीतल वास (2) श्री चंचल दास पुत्र श्री दुल्हनीमल (2) श्रीमती कीकी बाई पत्नी श्री दुल्हनीमल निवासी हरीपारा, रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वाया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान क्रमांक 19/205 स्थिति भछली तालाब वाड़े, गुड़ियारी, रायपुर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 9-5-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई, 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/-78-79/999—
प्रतः, मुझे रा० कु० बाली

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो दुर्ग में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम (1908 का 16) के अधीन 28-10-1978

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे इह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐ। अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अचात् :—

1. श्री रूपकरन मारोली पुत्र श्री सिद्धगुरु मारोली निवासी भोईपारा, दुर्ग

(अन्तरक)

2. श्री जीवन चन्द्र पुत्र श्री भांगी लाल कोलारी नवासी राजनन्दगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्तर्याम में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति ननूल शीट नं० 4-ए०, प्लाट नं० 109/
2 व 138/1 स्थित गजपारा, दुर्ग।

(रा० कु० बाली)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रृष्ठ पाई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई, 1978

अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से प्रतिहूँ है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रामपुर में स्थित है (ओर
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल पर, ऐसे दृश्यमान गतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कृत नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(b) ऐसो किसी आय पा किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; पा
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवितर्वों, अर्जतः—

1. श्रीमती कमला बाई पत्नि, श्री कान्तीलाल सावरिया
निवासी नाहरपारा, रामपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मोनाक्षी गुप्ता पाल श्री भीमसेन गुप्ता निवासी
जवाहर नगर, रामपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वावधी अवितर्वों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितर्वों में से
किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अवित द्वारा, अग्रोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 45/592, 15/592 (भाग) 15/593,
15/594, 15/97 स्थित जवाहर नगर बाड़, रायपुर।

रा० कु० बाली
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा
269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1001
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269वं
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० में प्रविष्ट है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-10-77
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रविष्ट है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की वावत उक्त प्रविनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धा या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या उक्त अन्य प्रास्तियों
के लिए;

1. श्री द्वारका दास पुत्र श्री दयाल दास बलवानी निवासी
42, सिंधी कालोनी, भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री हुक्मत राय पुत्र श्री महठोमल जी राजदेव निवासी
15, सिंधी कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकों

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही प्रथम होंगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान क्रमांक 139 स्थित सिंधी कालोनी,
बैरसिया रोड, भोपाल।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269वं के अनुसार मेरे, मेरे, उक्त प्रविनियम की व्यापा 269वं की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, याओं :—

तारीख : 9-5-1978
मोहर :

प्रस्तुत आई०टी० एन०एस०—

प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निवेश सं० आई०टी० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1002—

अतः, मुझे रु० कु० बाली,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्य प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा पाया प्राय प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण निविदा में वास्तविक रूप से रुपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अर्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जरु: घब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

1. प्रेम कुमार किरोड़ीमल कौशिक निवासी म० न० 5, गली न० 8, पारसी मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री उत्तम चन्द्र हरक चन्द्र बटाला निवासी ९३-९४, जानकी नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राधीनी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्हरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रथमाय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

खुला प्लाट वियरिंग, न० 95, जानकी नगर कालोनी इन्दौर।

रु० कु० बाली
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-5-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धेव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1003—
अतः, मुझे २० कु० बाली,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और
सो उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
(1908 का 16)' के अधीन 27-10-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;1. मेसर्सं रायपुर सार्किल एजेन्सी जय स्थम्भ चौक, रायपुर
(अन्तरक)2. अहमद ग्रन्टी फरिंदा पुव श्री इब्राहिम भाई निवासी
राजा तलाओ, रायपुर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी चाहेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की आवधि पर तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की आवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जो उस स्थानीय के पात्र
लिखित में किए जा सकें।लघुठीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग स्थित प्लाट नं० 2, सब-लाइन नं० 26, ब्लाक
नं० 77, स्थित मुधापारा वार्ड, रायपुर।रा० कु० बाली
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एवं भोपाल 78-79/1004—
अतः, मुझे रा० कु० बाली
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान मकान है, तथा जो सिरोंज में स्थित
है (और इसमें उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरोंज में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
20-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (अन्तरको) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी ग्राम या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिक्षीय बारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती महवृद्धिसा देवम पन्नी स्व० श्री मौलाना
अब्दुल रहीम निवासी सिरोज
(अन्तरक)
2. श्री शिवबलभ पूत्र श्री छुट्टलाल अग्रवाल निवासी
सिरोज
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रबन्ध में कोई भी ग्रामेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धारा
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के दायित्व 20-क में
परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस दायित्व
में दिया गया है :

अनुसूची

दुकान के साथ मकान स्थित जवाहर बाजार, सिरोज जिला
विदिशा।

रा० कु० बाली
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 9-5-1978

मोहर:

प्रस्तुप मार्फ़ाइ० टी० एन० एस० ----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 सार्थक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन क्षेत्र, भोपाल
 भोपाल, दिनांक 9 मई, 1978

निवेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1005
 ---अत., मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
 से अधिक है।

आँग जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (आँग
 इससे उपावद्ध [अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-11-1977
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 अन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तरित में बास्तविक
 रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 शायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
 मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन;
 निम्नलिखित अन्वितियों, अवधारितः:--

1. श्रीमती कुसुम अग्रवाल पत्नी श्री रूपनारायण अग्रवाल
 निवासी मोघा पारा, रायपुर।
 (अन्तरक)
2. श्रीमती चन्द्रिका वाई पत्नी ठाकुर बद्री सिंह (2)
 श्रीमती आशा सिंह पली श्री बलराम सिंह निवासी
 छतापारा, बिलासपुर
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयों का लिए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 5/452 स्थित मोघापारा वार्ड,
 रायपुर।

रा० कु० बाली

सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर

प्रकल्प आई० टी० एम० एस०—

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, तारीख 9 मई, 1978

निकेश सं० आई० ऐ० सी० पूर्वी/भोपाल 78-79/
1006—अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लाट है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य घे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी भाव को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव वा किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा घननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्तः—

1. श्री बुलाकी दास पुत्र श्री बद्रीदास नाथानी निवासी सदर बाजार, रायपुर

(अन्तरक)

2. (1) श्री भीमनदास (2) श्री ब्रज लाल दोनों पुत्र श्री कोडोमल सिंधी निवासी अहमद जी कालोनी रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट विवरण नं० 2/6 14/5 व 15/4 (भाग) ब्लाक नं० 19 स्थित सिविल लाइन, रायपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रधान प्राइंटरी० एन० एस०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई, 1978

निदेश सं० ग्राइंट० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1007—

अतः, मुझे रा० कु० बाली

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो नरसिंगपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नरसिंगपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में; उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।

1. श्री राम नारायण वर्मा पुत्र श्री रघुनन्दन लाल वर्मा निवासी 100/5, सीसा लाइन, जी० सी० एफ० स्टेट, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री पटेल मुवर्न सिंह पुत्र श्री पटेल विजय बहादुर सिंह कोरव निवासी ग्राम टेकत पुर, तह० गाडेखाड़ा जिला नरसिंगपुर (2) श्री पटेल खेम राजसिंह पुत्र पटेल बहोर सिंह लोधी निवासी बरखेडा तह० व जिला नरसिंगपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्त्रांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोत्स्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाप 20-क में परिभाषित हैं वही प्रयं होगा जो उस प्रधायाप भें दिया गया है ।

अनुसूची

1. 865 हेक्टेयर भूमि खसरा नं० 30, 32 व 24/1 मौजा नकटुआ, बन्दोबस्त नं० 270 तह० व जिला—नरसिंहपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978
मोहर :

प्रकृष्ट पार्षदों दी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, तारीख 9 मई, 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी०/एक्वी/भोपाल 78-79/1008
—अतः, मुझे रा० कु० बाली

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य
के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० लाट है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 9-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से दोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युक्त अधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित ध्यतियों अर्जात् :—

1. श्री बुलाकीदास नाथानी पुत्र श्री बद्रीदास नाथानी, सदर
बाजार, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण दास पुत्र श्री चन्द्रनमल निवासी नाहरपारा
सिटी, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाप्त
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला लाट नं० 2/6, 14/5, व 15/4 ब्लाक नं० 49,
स्थित सिविल लाइन, रायपुर।

गा० कु० बाली
सक्तम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978
मोहरः

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

शारा 269 व (1) के मध्येन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एकवी भोपाल 78-79/1009
—अत/, मुझे रा० कु० बालीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-10-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और मन्त्रक (अन्तरकों) और मन्त्रिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्त्रण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—(क) मन्त्रण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के मन्त्रक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आयियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः यद्य उक्त अधिनियम की शारा 269 व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की शारा 269 व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री हर्ष पटेरिया पुत्र श्री मुणील कुमार पटेरिया निवासी
गोल बाजार, जबलपुर।
(अन्तरक)
2. श्री मन्तोश कुमार पुत्र श्री मुलायमचन्द्र जैन निवासी
गलगला, जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषित स्तरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्ठाविकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

म्युनिसिपल नं० 142 (भाग) व 142/1, 141/1,
और 141/3 (भाग) नजूल प्लाट नं० 123 ल्लाक नं० 101,
102 साथ भूमि थोकफल 1800 वर्गफुट स्थित जोन्स गंज,
जबलपुर।रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

भाष्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाष्कर भाष्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1010

—अतः, मुझे रा० कु० बाली

भाष्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आवित्यों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269व (1) के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री हर्ष पटेलिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटेलिया निवासी गोल बाजार, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पालाल जैन पत्नी श्री निर्मलचन्द्र जैन निवासी हनुमान ताल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्या द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी अन्य अवित्या द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही पर्याय होगा, जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनिसिपल नं० 143 (भाग), 142, 142/1 व 147/7
मनूल ब्लाट नं० 123, ब्लाक नं० 101, 102 साथ भूमि
धेवफल 1200 वर्गफुट रिश्त जोन्स गंज, जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाष्कर भाष्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-5-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

महायक, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निदेश स० आई० ए० सी० एवं भोपाल 78-79/1011

—अतः मुझे रा० कु० बाली

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1998 का 16) के अधीन 14-10-1977 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथारूपोंक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारण निवित्रि में वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रोटोकॉल

(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के उपन्यास वें वै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित्रि व्यक्तियों, अर्थात्—
6-166GI/78

1. श्री हर्ष पटेलिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटेलिया निवासी गोल बाजार, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सत्येन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री शील चन्द्र जैन निवासी सरोका, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एवं उक्त सम्पत्ति के पर्वत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आन्दोलन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्षण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मुनिसिपल नं० 141/6 (भाग) नजूल प्लाट नं० 123, ब्लाक नं० 101, 102 साथ भूमि क्षेत्रफल 390 वर्गफुट स्थित जोन्सगंज, जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोटा :

प्रकृष्ट प्राईंटी एनो एसो—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 9 मई 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1012
—ग्रहण, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-11-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के श्रीनित कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रहण: ग्रहण, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हर्ष पटेलिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटेलिया निवासी गोल बाजार, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री बगेश्वर प्रगाढ श्रीवास्तव पुत्र श्री मुन्जी अम्बा-प्रगाढ श्रीवास्तव निवासी तुलाराम चौक, गंजीपुरा वार्ड, जबलपुर।

(अतिरिक्त)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रहण का लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रहण के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्यादा होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल नं० 143/1, ऊरी भाग 143व 141/11
(भाग) नजूल प्लाट नं० 123 ब्लॉक नं० 101, 102 थोकफल
1200 वर्गफुट स्थित जोन्स गंज, जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-5-1978

मोहर:

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नामः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थोक, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई 1978

निदेश सं० शाई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1013—
प्रतः, मुझे रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' रहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जबलपुर ने स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(म) ऐसा किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: ग्रन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः—

1. श्री हर्ष पटेलिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटेलिया निवासी गोल बाजार, जबलपुर

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द्र हरीश चन्द्र जैन निवासी जोन्स गंज, जबलपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के संबंध में कोई भी ग्रातेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सेमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थूनिसिपल प्लाट नं० 123 (भाग) ब्लाक, नं० 101, 102 साथ भूमि क्षेत्रफल 4292 वर्गफुट स्थित जोन्स गंज, जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 8 जून, 1978

निवेश सं० एल० सी० 189/78-79—यतः, मुझे, पी० ओ० जोजे

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (ओर इसमें उपावद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोसफ (2) मेरी (3) तोमस (4) सैमन
(5) पौली (6) डेव्स (7) आलीस (8) मेरी
(legal heir of late Rochus) Ius (9) जोली
रोकस (by Mary) (10) जस्ती (by Mary)
(11) जोड़ (by Mary) (12) जोली (by Mary)
(13) जरी (by Mary)

(अन्तरक)

2. अब्दूरहिम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी होकर विभाग के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वांकित अस्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य अस्तित्व द्वारा व्यव्हास्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरब्द :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

17 cents of land with buildings in Sy. No. 625/4 of Ernakulam village.

पी० ओ० जोजे
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 8-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोच्चि-16, विनांक 8 जून 1978

निदेश सं० एल० सी० 190/78/79—यतः मुझे, पी० ओ० जोर्ज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यहू विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित
है (और इससे उपावड़ मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यहू विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी रिसी आय या किसी धन या अन्य स्थितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति (1) मेरी (2) पौली (3) आलीस (अन्तर्स्क)

2. (1) श्री अब्दुलहिमान (2) अबू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियो करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानवार सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पण्डोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

14,300 cents of land with buildings in Sy. No. 625/4 of
Ernakulam Village.

पी० ओ० जोर्ज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख: 8-6-1978

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धंत्र भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 30 जून 1978

निर्देश सं० 71/78-79/IAC(A/C)/BSSR—यतः, मुझे,
अमरेन्द्र नाथ मिश्र,

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खाटा नं० 80 है, जो मौजा-बड़गढ़ (पश्चिम) में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 12-10-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
भविनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थि आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर भविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त भविनियम, या धन-
कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जमीन और स्थिति मौजा-बड़गढ़ (पश्चिम). भुवनेश्वर में
स्थित है। वह जमीन भुवनेश्वर सब-रजिस्ट्रार अफिस में 12-10-
77 दिनांक में रजिस्टर हुआ, जिसका डाकुमेंट नं० 6873 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज; भुवनेश्वर

अतः प्रव, उक्त भविनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त भविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के बाबून निम्नलिखित अस्तियों, अर्द्धतः—

- | | |
|---------------------------|------------|
| 1. श्रीमती इन्द्रिया देवी | (अन्तरक) |
| 2. श्री विभूति भूषण सिंह | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
भविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्र० प्र० ग्राहा० टी० एन० एस० —

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भूवेश्वर

भूवेश्वर, दिनांक 6 जुलाई, 1978

निर्देश मं० 72/78/79/IACCA/R/BBSR—यतः, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० है, जो वाश्वलिया गंज में स्थित है (ग्राम इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिला-सब-रजिस्ट्रार, कटक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पव्वर्ह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनु-मरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती काजा बेवा, स्वामी नालु साहू (अतरन्क)

2. श्री विजय कुमार पटनायक पिता अहमानन्द पटनायक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान वाश्वलिया गंज कटक, में स्थित है। वह जमीन जिला-सब-रजिस्ट्रार, कटक में 16-11-77 तारीख में रजिस्टर हुआ, जिसका डाकुमेंट नं० 5677 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भूवेश्वर

तारीख : 6-7-1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एम०

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जून, 1978

निर्देश नं० 1526/ अर्जन /मेरठ/77-78/1568—अतः
मुझे आर० सी० भार्गव

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में
प्रधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची की अनुमार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मेरठ, में,
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अभारण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिक्रिया के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को
जिन्हें भारतीय ग्राम-कर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
परण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वत :—

1. श्याम मनोहर पुत्र दामोदर दास एवं श्रीमती सतोष
मनोहर एवं राजीव मनोहर पुत्र श्याम मनोहर निं० 207 वेस्ट
एन्ड रोड मेरठ, कैन्ट
(अन्तरक)

2. श्री भगवत दास पुत्र नाथमल निं० 207, वेस्ट एन्ड रोड,
मेरठ कैन्ट
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
निए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के शायद 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग प्लाट नं० 2, मकान नं० 207
वेस्ट एन्ड रोड मेरठ कैन्ट, 66,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-6-78
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, डिनोंक 30 जून, 1978

निर्देश सं० अर्जन/1495-ए/कु० शहर/77-78/1923—

श्रृंगत: मुझे, आर० पी० भारंब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो.....
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 12-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रता०, घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मे० रायबरेली फ्लोर मिल्स बु० शहर द्वारा विजय
कुमार सिहल व श्रीमती परसन्दी देवी 372
पापर हाउस, मेरठ।

(अन्तरक)

2. मे० रघु बरेली फ्लोर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड सी०-
32 लारेन्स रोड, देहली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रधानकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रथम होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति व पास में स्थित भूमि जो कि रायबरेली
फ्लोर मिल्स की है, अनूप शहर जिला बुलन्द शहर 321311 रु०
में देवी गयी।

आर० पी० भारंब,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 30-6-78

मोहर :

प्रारूप प्राई ० टी० एन० एस०————
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मई, 1978

निर्देश सं० सीआर 62/12388/78-79/एसीक्यू/6—यतः
मुझे जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 87 पुराना 1782 (2) है, तथा जो IH टेम्पल
रोड, 11वाँ ऋास, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3 में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता०
5-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में
मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुमत्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपस्थापा (1) के अधीन निम्नलिखित अविकर्त्ता, अर्थात्:—

1. श्री एस० कृष्णमूर्ती (वरदाप सेट्री) पुत्र स्व० एन०
वी० नरसिंहश्या नं० 160, लक्ष्मी नारायण
पुरम, मेने रोड बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० वरतलक्ष्मा पत्नी श्री एस० सत्य
नारायणा नं० 87, पुराना 1782 (2) टेम्पल
रोड, IH मन, 11 ऋास मल्लेश्वरम, बंगलूर-3।
(अन्तरिती)

4. श्री सत्य नारायणा ए० वी० कृष्णमूर्ती।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह मम्पत्ति में हितवद्ध
है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित मम्पति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्पत्ति में दोहरी भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकें।

प्रत्यक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्र
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1793/77-78 ता० 5-10-77)
नं० 87, पुराना 1782 (2), IH मन, टेम्पल रोड,
मल्लेश्वरम, बंगलूर-3।

बाध: पूः कारनता का
प: जीर्णेस
उ: 11वाँ ऋास रोड
द: श्रीकंठश्या का।

जे० एस० राव,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 26-5-78

मोहर:

प्रस्तुत शाई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मई, 1978

निर्देश वं० सीआर-62/13477/78-79/एसीक्य०/6—

यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सकून प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 13/1 है, तथा जो पोलीस स्टेशन रोड, वसवन-गुडी, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन गुडी म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-10-77

को पूर्णतः संपत्ति न उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बाव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया या प्रतिफल, निम्ननिम्न रूप से उक्त भन्तरण नियम में वास्तविक रूप से कथित नहीं। यथा निम्न नदी:

(क) भन्तरण से हृदै किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या रससे नवने में सुविधा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननियित अवित्यों अर्थात् :—

1. (1) श्री टी० सेतुराम राव] पुत्रान स्व० टी०
(2) श्री टी० श्रीनिवासमूर्ती] मुद्रामध्या ।
(3) श्री टी० एस० रमेश] द्वारा टी० सेतुरामराव
(4) श्री टी० एस० शारदा] 6/15, पुतीस स्टेशन रोड, वसवनगुडी, बंगलूर-4।
(अन्तरक)
2. श्रीमती वा० हेमावती पत्नी शा० चिक्कनसप्पा, सं० 2,
सीत पुलिस स्कैर, वसवनगुडी, बंगलूर-4।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधीक्षित के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1-72/77-78 ता० 6/10/77)
सारा संपत्ति का परिचय पोरण का वं० 13/1,
पुलीस स्टेशन रोड, वसवनगुडी, बंगलूर-4;
वांध उः पुलीस स्टेशन रोड,
पूः न० 6/15 वैंडर का
दः कनसरवेनसी
पः वा० गोपाल राव का

जी० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अन्तरक अर्जन रेज, बंगलूर

तारीखः 26-5-78

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक: 15 जून 1978

निवेश सं० सी० आर० नम्बर 62/13284/78-79/
5 सो० क०/थ००। —यतः मुझे, जे० एस० राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा० के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपर
से अधिक है

और जिसकी सं० 166/9 है, तथा जो तीसरा आ०. रोड,
लक्कासन्द्रा कस्टम्बन (डिवीज सं० 36) (बलान वारडन,
बंगलूर, में स्थित है (और दससे उपांडु अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयानगर
बंगलूर, दस्तावेज सं० 17455/77-78 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 24-
10-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और प्रस्तरक (प्रत्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया
है।

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कर्त्ता
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या सम्पत्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
या द्वन्द्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया था ताकि आहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० के प्रस्तरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बद्रहनीसा—पत्नी मुहम्मद याकूब साहिब
सं० 166/9 3 आ० रोड, लक्कासन्द्रा राक्स्टेन्शन
विलसन गारडन, बंगलूर।

(प्रत्तरक)

2. श्री ए० जी० मुहम्मद सनातला पुत्र श्री ए० जी०
दस्ताविज, हन्तीनियर एल० एन० आई०, सं० 10,
11 सेन रोड, 4 टी० ब्लॉक, जयानगर,
बंगलूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से
किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अक्षित द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1755/77-78 ता० 24-10-77)
सम्पत्ति सं० 166/9, III जेन रोड लक्कासन्द्रा
एक्स्टेन्शन विलसन गारडन, बंगलूर (डिवीज सं० 36)।
बौनडारीस:—

उत्तर: रोड

दर्शिण: सायड सं० 176

पूरव: सायड सं० 165

पश्चिम: सायड सं० 167।

जो० एस० राव

सक्षम प्राप्तकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 15-6-78

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जून 1978

मं. सीआर नं. 62/13475/78-79/ एक्यू/वी—यतः
मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं. III मेन रोड, चामराजपेट बंगलूर सिटी डिब्बी सं. 26 में स्थित है (और डमसे उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बसावनगुडी दस्तावेज सं. 1460/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, ता० 6-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे प्रत्यक्षित अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है।—

(क) प्रत्यक्षित से कुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या मन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनमार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1); के प्रधीन निम्नसिद्धि व्यक्तियों, अर्थात्—

1. डॉक्टर वेन्कटेश रामा राव पुत्र डॉक्टर के० रामा राव, रिटायर्ड मैडीकल प्राक्टीशनर सं० 31, घनकर मट रोड घनकरापोरम, बंगलूर-4।
(अन्तरक)

2. श्री आर० रामामूर्ती पुत्र श्री एन० राजगोपाल नायडू (गिटायरड इंजीनियर मैसरी विभी लिमिटेड बंगलूर) सं० 243, पदमालया, चामराजपेट बंगलूर-18।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायांवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरेवी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं. 1460/77-78 ता० 6-10-77]

सम्पत्ति सं० (नया) 243 (पुराना सं० 222) III मेन

रोड, चामराजपेट, बंगलूर सिटी (डिब्बीजन सं. 26)।

बैंडारीस :

पूर्व : घर सं० नं० 244 वेंकटेशमूर्ती

पश्चिम : घर सं० नं० 242 कृष्णा रेडी

उत्तर : कनसरवेनसी लेन

दक्षिण : III मेन रोड, चामराजपेट।

जी० एस० राव

सक्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-6-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवी टी० एस० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, संत्रापक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० सीआर 62/14455/78-79/ सीब्यू/बी—यतः
मुझे, जी० एस० राव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रहने का घर जिसका क्षेत्रफल स० 5127 है, तथा जो हुड़ी हवामनतापा लेन में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बैंगलूर दस्तावेज सं० 2199/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 7-11-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्ध; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के प्रत्युत्तरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ती यों ग्रहतः :—

1. श्री उम्मेद एच० हनोमनतापा पुत्र हुड़ी हनीमनतापा 5/27 एच० एच० लैन, किल्लारी रोड, बैंगलूर।
(अन्तरक)

2. श्री के० बेन्काबासा पुत्र संथोरा सं० 4/1, मोराब्द्रापेट, बैंगलूर-2।
(अन्तरिती)

- 3. (1) श्रीमती लक्षणा
- (2) श्रीमती रणपा
- (3) श्रीमती पश्चा।

(वह अधिकत जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मब्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2199/77-78 ता० 7-11-77)
रहने का घर जिसका मनसीपल सं० 5/27 हुड़ी हन्मनतापा
लैन, किल्लारी रोड, बैंगलूर।

बैनडारीस :

उत्तर : गोविल्दपा का घर

दक्षिण : टी० रगास्वामी का घर

पूरब : मनसापल लैन (डुडाहती और हनोमया का घर)
पश्चिम : राररम्मा सम्पत्ति।

जी० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 17-6-1978

मोहर :

प्रह्लप प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 जून, 1978

निर्देश सं० सो० आर० 62/12923/78-79/ तीक्ष्ण/वी
—अतः मझे, जी० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 17 है, तथा जो IV व्रास हुछिंग्निस रोड
सेन्ट थाम टैण बैंगलूर-5 (डिवीजन सं० 49) उपाखड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के
कार्यालय, शिवाजीनगर बैंगलूर दस्तावेज सं० 1733/77-78
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 1-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक
(घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधर्म घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्रीमती जी० मूर्याकमारी पत्नी श्री एन० पुष्पांगोत्तम
सं० 33/1, शीती अवैनियो रोड बैंगलूर-42।
(अन्तरक)
2. डॉक्टर ए० बी० बेलियेप्पा पुन्न लेट श्री० बी०
बीपद्या।
"रामथिरता" कट्टा पी० ओ० दक्षिण करग।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्ता अधिति के अंतर्गत लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान उक्त संपत्ति में हितबद्ध
किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1733/77-78 ता० 1-10-77)
मकान का सं० 17 V कास हुछिंग्निस रोड सेन्ट थामस
टीन, बैंगलूर-560005।

बोनडारीस :

उत्तर प्लाट सं० 17/1 श्री एन पुष्पांगोत्तम की सम्पत्ति
दक्षिण प्लाट सं० 47
पूर्ख : V कास हुछिंग्निस रोड
प्रश्नियम : प्लाट सं० 42 और 43।

जी० एप० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 17-6-78

मोहर :

प्र० प्र० श्री श्री ३८९/४४, १९th मैन रोड, I ब्लाक, राजाजीनगर,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 21 जून 1978

निर्देश सं० सी० आर० ६२/१३४५६/७८-७९/००सीकिया०/वि
—यतः मुझे, जो० ए० स० राव,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।

और जिसकी सं० 389/44 है, तथा जो 19 मैन रोड, I
ब्लाक राजाजीनगर, बैंगलूर-10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर, दस्तावेज सं० 2540/77-78
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 26-10-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जैसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फद्दह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आविष्टियों
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः—

1. श्री के० बी० जयराम पुत्र श्री हुसमते वर्दीरपा सं०
389/44, 19th मैन रोड, I ब्लाक, राजाजीनगर,
बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीर० पलानिस्वामी पुत्र श्री के० रंगस्वामी
सं० ६६, 2nd फ्लास हॉचिन्स रोड एक्स्टेनशन, बंगलूर -
५६०००५ या सं० ४ इंडस्ट्रीयल टाउन, राजाजी
नगर, बंगलूर-५६००४४।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आलेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
व्यक्तियों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अस्थि व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त माव्डों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2540/77-78 ता० 26-10-77
जो कुछ जगह घर सम्पत्ति में मिल कर है जिसको द्रस्ट
मारड की साईट सं० 389 और जिसका नया कापोरेशन सं०
44 है तथा जो दो डिवीजन, 19th मैन रोड, I ब्लाक राजाजी
नगर, बैंगलूर-10।

बोनडारीस : Boundaries

पूरब : रोड

पश्चिम : साईट सं० 415/सी

उत्तर : सारट सं० 388 और

दक्षिण : साईट सं० 389 ए और स्टारम बाटर डरेन।

जो० ए० स० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 21-6-1978

मोहर :

प्रस्तुत मार्ई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० 62/13192/78-79/एक्य०/बी—यतः
मुझे, जो० एस० राव,ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभी प्राविकाही को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्बन्ध, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एषए से अधिक हैऔर जिसकी सं० खाली जगह सं० 114 है, तथा जो विशी-
मंगला लेआउट, मैसूर सब एरीया आफीसरस हाऊसिंग कालोनी
इन्द्रानगर बैंगलूर (डिवी० 50) में स्थित है (और इससे उपायदृ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कायलिय, शिवाजी नगर बैंगलूर Doc. नं० 1857/77-78/
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 17-10-77 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप ते रूपित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दूर्दृ किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रौद्योगिकी(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या सम्बद्धियों
को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगात्मक अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के मनुस्तरम
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जीतः—1. श्रीमती सरस्वती वेनकटारामया विधवा स्वर्ग० ले०
कर्नल वाई० बी० वेनकटारामया 'अरुला' राष्ट्रीय
विद्यालय रोड, वसावानागुडी, बंगलूर-4।
(अन्तरक)2. श्री सी० वेनकटारामी रही पुत्र रामी रही न० 35/2
लानगफूरड रोड बंगलूर 25।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[इस्तावेज सं० 1857/77/78 ता० 17-10-77]
खाली जगह (साईट) सं० 114, (विशीमंगला ले मैसूर
सब० एरीया आफीसरस कालोनी इन्द्रानगर बैंगलूर (डिवी-
50)।

बोनडारीस Boundaries

उत्तर : रोड

दक्षिण : घर सं० 114

पूरब : घर सं० 115 और

पश्चिम : घर सं० 113।

जी० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी,'सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 22-6-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 जून 1978

निर्देश सं० प्रार० सं० 62/13195/78 79/ए० सी०
क्ष्य०/वी०—यतः मुझे जे० एस० राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा०
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।

और जिसकी सं० 2 बी नया सं० 3 है, तथा जो सी० जे०
डी०/सी०जा० रोड० दूसरा नाम हैस रोड० कास० बैंगलूर० (डी० वी० 60)
में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी
नगर बैंगलूर दस्तावेज सं० 1880/77-78 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 17-
10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का
कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय भी बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपने में सुविधा के लिए:

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के बनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा० की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त :--

1. (1) श्री एम० सी० फीलीप पुत्र लेट एम० सी०
चानडी से० 15 सी० सेंट मारकस रोड० बैंगलूर०।
- (2) श्री एम० सी० थाम्पी, पुत्र लेट एम० सी० चानडी
छामुवडी क्योरीग वर्क्स मेटागल्ली पी० श्रो० मैसूर०।
(अन्तरक)

2. मैसर्स पाल और पाल बिलडर्स (Partnership Firm) आफिस जो० 48, ग्रीन पार्क नई दिल्ली
(Represented here in by its partner) मास्टर प्र० पी० श्रवण (अंतरिती)

4. 22 पौत्र लेट श्री एम० सी० चानडी सं० 15 सी०
सेंट मारकस रोड बैंगलूर०।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माथेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टदोषरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज 1880/77-78 ता० 17-10-77]
जो कुछ जगह दस्तावेज में लिखा है वह कारपोरेशन पुराना
सं० 2 बी० रेजीडिनसी रोड० नया सं० 3 हेस रोड० कास०
बैंगलूर० 560001 (डीव 60)।

बाऊण्डी :

उत्तर : सी० जे० डीसोजा या हेस रोड० कास०
दक्षिण : घर सं० 7 रिचमंड रोड० या होमेली०

पूरब : घर सं० 2 सी० जे० डीसोजा रोड०

पश्चिम : घर सं० 4 सी० जे० डीसोजा रोड० अब उसको
“दी लारेलस” कहते हैं।

जे० एस० राव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर०

तारीख : 24-6-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 24 जून 1978

निदश सं० सी० आर० 62/13213/78-79/ए० सी०
कृ०/बी—यह: मुझे, जी० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना सं० 9 नया 21 है, तथा जो ओ०
सं० 4 स्ट्रीट केवलरी रोड़ क्रास बैंगलूर 560042 (डिव)
52) मे॒ स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे॒ और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट्स अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजीनगर बैंगलूर दस्तावेज सं० 1969/77-78 मे॒ रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता०
28-10-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मे॒ उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्जति:—

1. श्री डी० घनमोगम पुत्र लेट दक्षीनमूर्ती मुदलियार
सं० 136, जी० नं० फस्ट सिट्रीट माध्यांश मुदलि-
यार रोड़ फरेंटर टाउन बैंगलूर 5।
(अन्तरक)

2. श्री वी० पानडोरंगा राव पुत्र लेट वी० सुब्बणा राव
सं० 3 जी० सं० फस्ट स्ट्रीट लक्ष्मणा मुदलियार
स्ट्रीट करास और कमरशियल स्ट्रीट क्रास
बैंगलूर 1। (अन्तरिती)

3. (1) श्री डी० बालासुब्रामनियन

(2) श्री सुबाप पटाले

(3) श्री मुनदेव राव और

(4) श्री गजनाना राव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं
वही प्रर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1969/77-78 ता० 28-10-77]

जो कुछ दस्तावेज में लिखा गया है मुनसीपल कारपोरेशन
पुराना सं० 9 नया सं० 21 ओ० (०) सं० 4 स्ट्रीट केवलरी
रोड़ क्रास बैंगलूर-42 (डिवीजन-53) (डिवीजन-53)।

बौनडरीस :

उत्तर : कुलन्डा घट्टी का घर

दक्षिण : ओ नं० 4 स्ट्रीट

पूरब : सेष्पा मुदलियार का घर

पश्चिम : सी० एन० कृष्णा मुती का घर।

जी० एस० राव

सक्षम प्राप्तिकारी,

सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 24-6-78

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एस० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मई 1978

निर्देश सं० ए० सी०-७/अक्ष-II/कल/७८-७९—यह:
मुझे, आर० सी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 23ए/17एस है तथा जो डायमन्ड रोड, कलकत्ता
27 मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार
एफ एशुरेसेंस कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-77
को पूर्खोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह, विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप संक्षिप्त नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण मे इई किनी आय जा बाबन उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धारितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री नन्दलाल जालान
 - (2) श्री जहरमल जालान
 - (3) श्री इन्द्र आंद जालान
 - (4) श्री माध्वलाल जालान
 - (5) श्रीमती शान्ति देवी जालान
 - (6) श्री सीता देवी जालान
 - (7) श्रीमती चंद्रलेखा देवी जालान
 - (8) श्रीमती अक्षपूर्णा जालान
- 10, विल्पी रास विहारी बोस रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. श्री नीरोध कान्ति घोष

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्ति संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्विधान करता है।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोक्तरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

प्रमुखसूची

दक्षिण पश्चिम एपार्टमेंट नं० 9-डी, सम्पत्ति नं० 23
ए/17 एस० डायमन्ड हारबार रोड, कलकत्ता-27।

आर० सी० लालमोया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख: 31-5-78
मोहर :

प्र० प्र० प्र० श्रीमती रेनुका चौधुरी
प्र० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी०-१४/अर्जन रेंज-IV /कल०/७८-७९—
श्रीमती मुझे, पी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 9-वी है तथा जो आब्दुल रसुल एवंत्यु में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 13-१०-१९७७

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी धा या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया था हिस्से या, छिपाने में शुल्क के लिए;

1. श्री नन्द कुमार चौधुरी तथा श्रीमती रेनुका चौधुरी
(अन्तरक)

2. श्रीमती अंजली सेन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भूदोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ पश्चों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में व्यापक विवरित है, वही अर्थ होगा, जो उम प्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

छ: मंजिला मकान के सम्पूर्ण दूसरा मंजिल जो कि
9-वी, आब्दुल रसुल एवंत्यु, थाना दालिङंजे, कलकत्ता में
स्थित है, साथ 3 कट्ठा 2 छटाक 13 स्कोर फोट जमीन के
1/5 हिस्सा जैसे कि 1977 के दलिल सं० 4804 में और
पूर्ण रूप से वर्णित है ।

पी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 14-६-१९७८

मोहर :

जल्द: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रहीत :—

प्रकृष्ट प्राई. टी.एन. ०-----

1. मैसर्स पोयारि लाल अग्रवाल एण्ड को०

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री ललित कुमार अग्रवाल

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 जून 1978

निर्देश सं० ए० सि०-१७/अर्जन रेंज-IV/कल०/७८-७९—यतः
मुझे पी० पी० सिंहप्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं०..... है तथा जो
जो होलिङ सं० 98, वार्ड सं० V, सिलिगुड़ी में स्थित है
और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिलिगुड़ी में, रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-11-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;
और/मा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
सम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असूसूची

1000 स्केयर फिट जमीन साथ में दो मंजिला भवान का
अविभाजित 1/3 अंश, होलिङ सं० 98, वार्ड सं० V,
सिलिगुड़ी म्युनिसिपलिटी, दार्जिलिंग, जैसे के दलिल सं०
6378, दिन 15-11-1977 में पूर्ण रूप से वर्णित है।पी० पी० सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवर्ड रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 27-6-1978

मोहर :

प्रख्याप आई० टी० एन० एस०-----

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी०-१८/अर्जन रेंज-IV/कल०/७८-७९—

श्रतः मुझे पी० पी० सिंह

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो होल्डी सं० 98, वार्ड सं० V, सिलिगुड़ी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलिगुड़ी में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को 16-11-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स पीयारि लाल अग्रवाल एण्ड कं.

(अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या देवी अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारंभ एवं पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परि व्युत्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

1000 स्केयर फिट जमीन साथ में दो मंजिला मकान का अविभाजित 1/3 अंश, होल्डी सं० 98, वार्ड सं० V, सिलिगुड़ी म्युनिसिपलिटी, दार्जिलिंग, जैसे के दलील सं० 63148 दि० 16-11-1977 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता
54, रफीग्रहमद किल्डर रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 27-6-1978

मोहर :

प्रख्याप श्राइ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

शार्यानियम, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 जुलाई 1978

निर्देश न० ए० सी०-२०/रेंज-२/७८-७९—आय. मुझे, आर० वी० लालमौया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है तथा जो हेसटिंग पार्क, अलीपुरे में स्थित है (आई डिसे उपावन्न अनुसूची में जो पूर्ण रूप से स्थित है), रजिस्ट्रोरर्टी अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ पशुरेस, कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 30-11-77

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास उत्तर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत में अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तररको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरित के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) सम्पत्ति महुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उससे प्रबन्ध में सुविधा के लिए; और/या

(ख) में हिसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-वा की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. मैसर्से श्रोका मेनुफेक्चरिंग लिमिटेड ४, केभाक स्ट्रीट कलकत्ता।

(अन्तरक)

3. श्रीमती चन्द्रा मुखर्जी पी०-९९, ब्लाक वी०, लेक टाउन, कलकत्ता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविस्तरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किए शाय्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिवित में किए जा सतेंगे।

प्रधानीकरण :—इसमें प्राप्त शब्दों गौर पर्वों का, जो आयकर अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिचालित हैं, वही पर्यं होता जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

एपार्टमेन्ट न० 21 आफ राजश्री बनाये आशिक ९, हेसटिंग पार्क, आलीपुर, प्लाट का माप-291.37 स्क्यर मीटर और घेराउ-पारकि जायगा-२ मोटर गाड़ी के लिये।

आर० वी० लालमौया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, 54, रफीग्रहमद किदवर्दी रोड,
कलकत्ता-१६

तारीख: 4-7-1978

मोहर:

प्रस्तुप मार्हू. टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1978

निवेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1414(666)/10-4/
77-78—अतः मुझे एस० सी० परीक्षण

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० “शार्दा टाकीज” सर्वे नं० 1194 तथा 1190,
है। तथा जो बैठक रोड़, जाम खम्भालिया, जामनगर में स्थित
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खम्भालिया
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन 14-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सार्वतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रथासु:—

9—166GI/78

1. श्री सतवरा दामजी हीरा भाई नाकूम तथा अन्य खम्भालिया डी० जामनगर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सतवरा वेला रानमल नाकूम,
(2) श्री रुडा रानमल नाकूम,
(3) श्री गोविंद रानमल नाकूम,
(4) श्री देवजी रानमल नाकूम, शार्दा टाकीज, खम्भालिया खम्भालिया, डी० जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशालियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सिनेमा बिल्डिंग जो “शार्दा टाकीज” के नाम से प्रख्यात है तथा जिसका सर्वे नं० 1194-1190 है तथा जिसका कुल क्षेत्रफल 824.16 वर्ग मीटर है तथा बैठक रोड़ पर जाम खम्भालिया में डी० जामनगर में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 14-11-77 वाले बिन्दी दस्तावेज नं० 811 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 2-6-78

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1568(672)/16-6/

77-78—ग्रतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जागनाथ प्लाट है तथा जो जागनाथ प्लाट, राजकुमार कालेज के पीछे, राजकोट में स्थित है और (इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन 21-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिगत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो हिनो आव या निनी भन या 'अन्य आस्तियों गो, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1923 नं 11) या उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूचण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कनकलता गुनवंतराई "पुरुषार्थ" जागनाथ नाट, राजकुमार कालेज के पीछे, राजकोट।

(अन्तरक)

2. (i) डा० अनंदराम ठुकुमतराए,
(ii) श्री दूपचंद ठुकुमतराए,
(iii) श्रीमती मोरिनीबेन डीलाराम,
(iv) श्री हरेश्कुमार ठुकुमतराए, सदर बाजार, राजकोट।

(अष्टरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथि कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्समधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिवृत्ताकारी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

एप्पॉलीक्यूशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ व पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 495 वर्गगज भूमि पर स्थित है तथा जो जागनाथ प्लाट पर, राजकुमार कालेज के पीछे राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन, 21-11-77 बाले विश्री दस्तावेज नं० 2949 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सदम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 22-6-78

मोहर:

प्रस्तुति प्राइवेट-एन-एस—

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1505(673)/16-5/
77-78—अतः मुझे, एस० सी० परीख

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्रेव याडे के सामने, जूना द्वाम्बे स्टेशन याडे के पास, है तथा जो जूना पांजरा पोल, मोरबी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मोरबी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देसे के अस्तरक के व्याप्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिसके भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अस्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपवाहा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः—

1. श्रीमती कंचन गोरी जमनादास कोटक, शक्ति परा, मोरबी।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती निरमला जीवाभार शेठ,

(2) श्रीमती जयश्री मऐवरी शेठ,

(3) श्रीमती निरंजना धरमेन्द्र कुमार शेठ, मारफत : मैसर्स जेराम मूलजी केरिस्यावाला, बाजार लेन, मोरबी।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री वालजी शिवजी बारदानवाला,

(2) श्री बलभद्रास छगनलाल दलाल,

(3) श्री गिरधर लाल रावजीभाई दलाल,

(4) श्री अमृतलाल देवाजी भाई दलाल,

(5) श्री पटेल मेघजी परशोत्तम,

(6) श्री मालीया तालूका खरीद बेचन संघ, जूना द्वाम्बे रेलवे लाईन के पास, शक्ति परा, मोरबी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो आठ गैरेज सहित है तथा जो 444-43 वर्ग मीटर पर स्थित है तथा जो ग्रेव याडे के सामने, जूना द्वाम्बे स्टेशन याडे के पास, जूना पांजरा पोल, मोरबी में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 18-11-77 वाले बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० परीख
, सक्षम प्रधिकारी
सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-6-78

मोहर:

प्रख्य प्राईंटी टी० एस० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून, 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1498(675)/16-6/
77 78—अतः मुझे एस० सी० परीक्ष

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की घारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी मूल्य 33, सर्वे नं० 387-388, है
तथा जो एस० टी० बस स्टैड के पीछे, गोडल रोड, राजकोट
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बनित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख : 3-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की आवत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269व की उपचारण (1) के
अधीन निम्नलिखित अवक्षियों अवक्षिय:—

1. मैसर्स पोलीराईड प्लास्टीक इंडस्ट्रीज की ओर से
भागीदार:—

- (1) श्री सावजीभाई जीवाभाई पटेल
 - (2) श्री विनोद कुमार सावजीभाई पटेल
 - (3) श्रीमती मंजूला रमणीकलाल पटेल,
 - (4) श्री अमृत लाल सावजीभाई पटेल,
 - (5) श्री परशोरामभाई परेमजीभाई पटेल, स्त्री
 - (6) श्री विठ्ठलभाई सावजीभाई पटेल, स्त्री
- तथा (1) से (5) भागीदारों की ओर से,
पावर आफ एटारनी होल्डर:—
60, कोरेंचा नगर, कलावाड रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री विजलाल गोकलदास मावाणी करता तथा एच०

यू० एफ० का प्रमुख :

श्री विजलाल गोकलदास मावाणी, मावाणी सदन 2,
सरदार नगर-बेस्ट राजकोट 360001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्रान्ति
हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1022.4 वर्ग गज भूमि पर
स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 387-388 प्लाट नं० 33, है
तथा जो एस० टी० वर्कशाप के पीछे, मानसाई इंडस्ट्रीज के
वेटस्ट में, शोडल रोड पर, राजकोट में स्थित है। तथा जिसका
पूर्ण वरणन 3-11-77 वाले बिश्वी दस्तावेज नं० 288 में दिया
गया है।

एस० सी० परीक्ष
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जून 1978

निर्देश सं० पी० आर० नं० 592, ए० सी० क्य० 23-
1031/198/77-78—अतः मुझे, डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० (513) वार्ड नं० 9 है तथा जो
कोट सफल मेन रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः :—

(1) श्री ललूभाई केवलदास, मिस्ट्री, 9/509 कोटसफिल,
मेन रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री ठाकोर भाई तिभवनदास सगरामपरा, चोगान
छेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो जमीन सहित है तथा जिसका वार्ड
नं० 9, नोंध नं० 513 है तथा जो कोटसफल मेन रोड पर सूरत
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण धर्णन नवम्बर 1977 वाले बिही
दस्तावेज नं० 1918 में दिया गया है।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-6-78

मोहर :

प्रस्तुत प्राइवेट एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं० पी० आर० न० 593, ऐ० सी० क्य०-23-977/
7-4/77-78—अतः मुझे, डी० सी० गोयल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269च के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० टीका नं० 60, सिटी सर्वे नं० 3101, है तथा जो आशा नगर नवमारी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269च के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री भीखीबेन छोटालाल पटेल,
- (2) श्री गीरीष कुमार छोटालाल,
- (3) श्री किरीत कुमार छोटालाल, पावर ओफ एटारनी होल्डर आफ़:—
- (2) और (3)—
श्री छोटालाल परशोत्तमदास पटेल धोबीवाड़ा, नवसारी।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीनचंद्र जीवराज मेहता, उर्मीलाबेन प्रवीनचंद्र मेहता आशानगर, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रायकर के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रायकर के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रायुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 480-11 बगे भीटर है तथा जिसका टीका नं० 60 सिटी सर्वे नं० 3101 है तथा जो आशानगर, नवसारी में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन नवम्बर 1977 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 3175 में दिया गया है।

डी० सी० गोयल
सकम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 1-7-78

मोहर:

प्रस्तुप प्राइंटी० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 5 जूलाई 1978

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1438(680)/1-1/
77-78—ग्रतः मुझे एस० सी० परीख
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 568/1, 568/2, 568/3, है तथा
जो गांव बेजलपुर, ता० मिटी डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात प्रन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया ता या करण जाना चाहिए ता, ठिकाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती दीवालीबेन चूथाजी विधवा अभरामजी
(2) श्री प्रह्लादजी चूथाजी ठाकोर,
(3) श्री भलाजी चूथाजी ठाकोर, गांव बेजलपुर, तह:
मिटी, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सवगन पार्क को० आप० हा० सोसायटी
लि०

की ओर से प्रमुख.—

- (i) श्री वेलजीभाई रामजीभाई जादव, गांधी
सट्टर 22, ब्लाक 2/3, ।
- (ii) सेकेटरी: श्री मोतीभाई झूगरभाई परमार,
ब्लाक-24 बी, सौराष्ट्र सोसायटी, आम्बावाड़ी,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाले प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2057 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 568/3 है तथा जो 24-11-77 वाले विक्री दस्तावेज नं० 7888 में वर्णन किया गया है। तथा दो खुली जमीन वाले प्लाट जिसका श्रलग श्रलग क्षेत्रफल 2299 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 568/1 तथा 568/2 है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 24-11-77 वाले विक्री दस्तावेज नं० 7889 में दिया गया है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

महायकर भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

तारीख: 5-7-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जून, 1978

निर्देश सं० एम० 165/अर्जन—अतः मुझे, अमर मिह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी संख्या 95/43 है तथा जो आर्य समाज मंदिर
रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुपूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 12-11-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरियों) के दीच ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रभारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में मुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुविधा के निये,

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के
शब्दों, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कमला देवी (अन्तरिक)
- (2) श्रीमती शान्ति देवी (अन्तरिती)
- (3) श्री राम निवास अग्रवाल, बद्री नाथ अग्निहोत्री
व श्रीमती शान्ति देवी के पति श्री मनहरन
प्रसाद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
- (4) श्री इड० हजवेल्ट (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना तारो हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के
लिए लार्याहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में सपाथ होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान क्षेत्रफल-भूमितल 128.05
वर्ग मीटर व प्रथम तल 104 वर्ग मीटर नम्बरी 95/43 आर्य
समाज मन्दिर रोड, लखनऊ तथा उक्त सम्पत्ति का वह सब
विवरण जो फार्म नं० 37-जी संख्या 3969 व सेलडीड
में लिखी है जो कि दिनांक 21-11-1977 को सब रजिस्ट्रार
लखनऊ के कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-6-1978
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 9th June 1978

No. A. 32013/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint S/Shri S. P. Sharma and P. N. Mukherjee, permanent Grade I officers of the CSS cadre of Union Public Service Commission and working as Under Secretaries in the same cadre, to officiate in Selection Grade of the CSS as Deputy Secretaries in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for the period from 8-5-78 to 30-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

S. N. BAJPE
Jt. Secy.

New Delhi-110011, the 15th May 1978

No. A. 32014/1/78-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad hoc* basis for a period of 60 days w.e.f. 2-5-1978 to 30-6-1978 or until further orders, whichever is earlier.

Shri Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further the appointment is subject to the approval of Department of Personnel and Administrative Reforms.

The 2nd June 1978

No. A. 12024/4/77-Admn. I.—Shri S. P. Chakravarty, a permanent Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, who was earlier appointed as Officer on Special Duty (Confidential) in the office of the Union Public Service Commission upto 30-9-1977 *vide* this office notification No. P/27 I-Admn. I dated 22-8-1977 has been appointed to the post of Officer on Special Duty (Confidential) for a further period upto 17-10-1977 on usual deputation terms.

The 16th June 1978

No. A. 32013/1/77-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Mehra, a permanent officer of Grade A of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the CSS for the period from 8-5-78 to 30-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32013/1/77-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the services for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
S/Shri		
1.	B.S. Kapur	8-5-78 to 30-6-78
2.	P.C. Mathur	10-5-78 to 9-6-78
3.	J.P. Goel	15-5-78 to 30-6-78
4.	R. N. Khurana	15-5-78 to 14-6-78
5.	B.R. Verma	1-5-78 to 8-7-78

No. A. 32013/1/78-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 29-5-78, the President has been pleased to allow Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for a further period 1-6-78 to 31-8-78 or until further orders, whichever is earlier.

10-166GI/78

The 24th June 1978

No. A. 19013/2/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Vinay Jha, IAS to the post of Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, New Delhi effect from 16-6-1978(AN), until further orders.

The 30th June 1978

No. A. 12025(ii)/1/77-Admn. III.—Consequent on his nomination to the Ministry of Commerce for appointment as Section Officer *vide* DOP&AR O.M. No. 5/21/77-CS(I) dated 15-3-78, Shri Raghbir Dayal, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission appointed to officiate as Section Officer on *ad hoc* basis *vide* Union Public Service Commission Notification No. A. 32014/1/78-Admn. III dated 24-5-1978, has been relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 30-6-78.

P. N. MUKHERJEE
By Secy. (Admn.)
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 29th June 1978

No. A-19019/2/78-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri R. D. Singh, IPS (1949-Bihar), as Special Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 20th June, 1978 and until further orders.

K. K. PURI
Dy. Director (Admn)
C. B. I.

New Delhi, the 29th June 1978

No. A-19036/11/78-AD.V.—The Director, C.B.I. & I.G.P., S. P. E. hereby appoints Shri V. H. Mirajkar an Officer of Maharashtra State Police who is on deputation as Inspector of Police in EOW Branch of CBI at Bombay to officiate as Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, S. P. E. with effect from the forenoon of 3-6-1978 and until further orders.

M. K. AGARWAL
Administrative Officer (A)
Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 1st June 1978

No. O. II-279/69-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service Shri D. P. Sharma relinquished charge of the post of Commandant 6th Bn., CRPF on the afternoon of 30-11-77.

The 15th June 1978

CORRIGENDUM

No. O. II. 1081/78-Estt.—In this Dte. General Notification No. O. II. 1081/78-Estt. dated 24th February 1978, the name of the officer may please be read as 'Dr. K. Vijaya Kumar' instead of 'Dr. Vijay Kumar Kodali'.

No. O. II. 1083/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Sushil Dattatraya Kinikar as General Duty Officer, Grade-II (Dy. S. P./Coy. Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5-5-1978 until further orders.

The 29th June 1978

No. O.II.36/75-Estt.—The President is pleased to appoint Shil I. K. Sehgal, Assistant Director (Accounts), CPAU, CRPF as Deputy Director (Accounts), CRPF on *ad hoc* basis w.e.f. 25-5-78 to 10-9-78.

No. O.II.10/43/76-Estt.—The President is pleased to re-employ on *ad hoc* basis Lt. Col. (Retd) R. L. Sircar, as Medical Superintendent in the Directorate General, CRP Force with effect from 17-6-78 (FN) until further orders.

The re-employment of Lt. Col. (Retd) R. L. Sircar as C. M. O. in the CRP Force stands terminated with effect from 17-6-78 (FN).

The 1st July 1978

No. O.II-1053/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. (Miss) V. R. Kalyani, JMO (GDO, Gd. II) of Group Centre CRPF Pallipuram with effect from the forenoon of 19-5-78.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 3rd July 1978

No. 814-CA.1/30-78.—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appointment them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 3 with effect from the dates mentioned in column 4 below, until further orders:

Name of the Section Officer (commercial)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as audit Officer (Commercial)	Date of posting as offg. A.O. (C)
(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
1. K. Maitra	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta	MAB & Ex-Officio DCA, Calcutta	30-1-78 (FN)
2. Y.V.S. Sharma	AG.II, Tamil Nadu	AG.II, Tamil Nadu	24-1-78 (AN)
3. K.K. Das	AG.II, West Bengal	MAB & Ex-officio DCA (Coal) Calcutta	28-1-78 (FN)
4. K. J. Divkar	AG(S&CD) Bombay	MAB & Ex-officio DCA, Bombay	27-1-78 (FN)
5. S.N. Mala Kar	MAB & Ex-officio DCA (Coal) Calcutta	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	6-2-78 (FN)
6. V.V. Ramamurthy	AG.II, Andhra Pradesh	AG. Orissa	25-2-78 (FN)
7. Niranjan Mondal	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta	AG. Assam etc. Shillong	27-2-78 (FN)
8. P. J. Abraham	AG. Kerala	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	27-2-78 (FN)
9. Joygopal Mondal	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta	AG.Assam etc. Shillong	27-2-78 (FN)
10. S.V. Swaminathan	AG II, Tamil Nadu	AG. Orissa	23-2-78 (FN)
11. Som Nath Sapooro	AG. J & K	AG. J & K	25-1-78 (AN)
12. M.V. Pandharo	AG(S&CD) Bombay	AG.II, Madhya Pradesh	6-2-78 (FN)

(1)	(2)	(3)	(4)
13. H.C. Varman	MAB & Ex-officio DCA, Madras	MAB & Ex-officio DCA, Madras	27-2-78 (FN)
14. S. Hariharan	AG.II, Tamil Nadu	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	22-2-78 (AN)
15. R. Rajagopalan	-do-	AG. Orissa	30-1-78 (FN)
16. V. Ananda Mohan	AG.II, Andhra Pradesh	AG.II, Bihar	24-2-78 (AN)
17. S.D. Ranga Rao	MAB & Ex-officio DCA, Bangalore	-do-	22-2-78 (AN)
18. R.B. Nema	AG.II, Madhya Pradesh	AG.JI Madhya Pradesh	27-1-78 (FN)
19. M.B. Agarwal	CA.CA, Bhopal (MAB & Ex-officio DCA)	AG.IHP & Chandigarh, Simla Bombay	27-8-78 (FN)

S.D. BHATTACHARYA,
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

WESTERN RAILWAY

Bombay, the 30th June 1978

No. SA/HQ/Admn/IX/6/Vol. IV/2043.—Shri M. G. Bhatia, permanent Section Officer of this office, has been promoted to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from 20th June 1978 (F.N.).

A. N. BISWAS
Chief Auditor.

OFFICE OF THE CDA (ORs) SOUTH

Madras-18, the 9th June 1978

ORDER

ORDER OF TERMINATION OF SERVICE ISSUED UNDER THE PROVISO TO SUB-RULE (1) OF RULE 5 OF THE CENTRAL CIVIL SERVICES (TEMPORARY SERVICES) RULES, 1965

No. AN/II/SB-2749.—In pursuance of the proviso to Sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby terminate forthwith the services of Shri R. BALAKRISHNAN, Ty. Chowkidar, SB No. 2749 and direct that he shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of his pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which he was drawing them immediately before the termination of his service, or, as the case may be, for the period by which such notice falls short of the month.

R. VENKATARAMAN
Controller of Defence Accounts (ORs) South
Madras-18.

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 28th June 1978

No. 31/78/G.—On attaining the age of 58 years Shri R. K. Ghosh, Offg. Manager (Subst & Permit. Dy. Manager) retired from service w.e.f. 31-1-78 (AN).

No. 32/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri I. B. Ghosh, Subst. & Permt. Asstt. Director General, Ordnance Factories Grade II, retired from service w.e.f. 31st May, 1978 (AN).

V. K. MEHTA
Assistant Director, General Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES &
COOPERATION
(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
& EXPORTS

New Delhi, the 1st July 1978

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/155/54-Admn(G)/4670.—The President is pleased to appoint Shri O. N. Anand Deputy Chief Controller of Imports & Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on *ad hoc* and temporary basis for a further period of three days w.e.f. the 1st January, 1978, to 3rd January, 1978.

K. V. SESADRI
Chief Controller of Imports & Exports.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A—1)

New Delhi-1, the 30th June 1978

No. A-1/1(954).—Shri S. N. Dutta, permanent Asstt. Director (Admn) (Gr. II) in the Director of Inspection (Met.), Burnpur retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st May, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

(ADMN. SECTION A—6)

No. A6/247(331)/61/II.—The President has been pleased to appoint Shri P. K. Gayen, Asstt. Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of grade III of Indian Inspection Service Group A on regular basis w.e.f. the forenoon of 16th May, 1978.

Shri Gayen was promoted as Asstt. Director of Inspection (Met.) on *ad hoc* basis at Calcutta sub-office under the Metallurgical Inspectorate Burnpur w.e.f. 8-11-77 (F.N.).

Shri Gayen will be on probation for a period of 2 years from 16-5-78.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 30th June 1978

No. A-1/1(1122).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri A. R. Subramanian, Supdt. in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay, to officiate on regular basis as Asstt. Director (Admn) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Tex.), Bombay with effect from the forenoon of 1-6-78 of until further orders.

No. A-1/1(1124).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. Naronha, J. P. O. in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate as Asstt. Director (Grade II) on *ad hoc* basis in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from 30-5-78 (FN) and until further orders.

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A—6)

New Delhi, the 30th June 1978

No. A6/247(287)/60-II.—Shri K. N. Ganguly, permanent physical Assistant and officiating as Inspecting Officer in Engineering Branch of grade III of the Indian Inspection Service Group 'A' in the Calcutta Inspection Circle of this Dte. General of Supplies & Disposals has been retired from Govt. service on 30-4-1976 (AN) under F. R. 56(j).

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 20th June 1978

No. A-6/247(92)/58/IV.—The President has been pleased to appoint Shri C. R. Sircar, a permanent officer of Grade I of the Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate on *ad hoc* basis as Dy. Director General (Inspection) with effect from the forenoon of 13th June, 1978 and until further orders.

2. Shri Sircar relinquished charge of the post of Director of Inspection in the Headquarters office of the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi and assumed charge of the post of Dy. Director General (Inspection) in the same office on the forenoon of 13th June, 1978.

No. A-6/247(458)/63.—The President has been pleased to appoint Shri G. Balakrishnan, an officer of the Engineering Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate in Grade I of the Service, Group 'A' on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 13th June, 1978 and until further orders.

2. Shri G. Balakrishnan, relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) at Madras on the afternoon of 31st May, 1978 and assumed charge of the post of Director of Inspection in the Headquarters office of the Inspection Wing of the Dte. General of Supplies and Disposals at New Delhi on the forenoon of 13th June, 1978.

No. A-6/247(295)/65-II.—The President has been pleased to appoint Shri A. K. Majumdar Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate as Asstt. Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade III of Indian Inspection Service (Group 'A') on regular basis w.e.f. 16-5-78 (FN) and until further orders.

Shri Majumdar relinquished the charge of the post of AIO (Met.) on 15-5-78 (AN) and assumed charge of the post of ADI (Met.) from the forenoon of 16th May, 1978 in the office of DI (Met.) Jamshedpur.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st July 1978

No. A. 19011(154)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Ghosh, Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Ore Dressing Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 1100—50—1600/- with effect from the afternoon of 9-6-78.

No. A. 19011(121)/77-Estt. A.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Raju, Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Ore Dressing Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 1100—50—1600/- with effect from the afternoon of 9-6-78.

No. A. 19011(166)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. Rajagopalan, Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Ore Dressing Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 1100—50—1600/- with effect from the afternoon of 9-6-78.

The 3rd July 1978

No. A.19011(165)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Agarwala, Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Ore Dressing Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 1100—50—1600/- with effect from the afternoon of 9-6-78.

S. BALAGOPAL
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th June 1978

No. A.12025/11/77-SI.—The President is pleased to appoint Shri M. Jogayya Assistant Factory Manager to the post of Depot Manager (Group A Gazetted) Govt. Medical Stores Depot, Madras with effect from the forenoon of 17-6-78 and until further orders.

SANGAT SINGH,
Dy. Dir. Admin. (Stores)

New Delhi, the 1st July 1978

No. A.12026/33/77-Adm.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following Dental Surgeons on *ad hoc* basis under the Central Government Health Scheme, Delhi for the period mentioned against their names :

- (1) Dr. (Smt.) Sushma Mathur—with effect from 13th March, 1978 and until further orders.
- (2) Dr. R. K. Khullar with effect from 13th March, 1978 to 12th June, 1978.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 28th June 1978

No. RAPP/Rectt./7(6)/78/S/861.—The Chief Project Engineer Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri K. K. Balan a quasi-permanent Assistant Security Officer of Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Security Officer in a temporary capacity in the Project with effect from the forenoon of 5th April, 1978 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th June 1978

No. A.32014/1/76-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of Shri N. Subramanian to the post of Assistant Electrical & Mechanical Officer, Delhi Airport, Palam, for a further period from 26th October, 1977 to 30th September, 1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 30th June 1978

No. A.38015/14/78-EC.—The Director General of Civil Aviation regrets to announce the death of Shri S. K. Sharma, Asstt. Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay on 24-5-78.

S. D. SHARMA
Dy. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 29th June 1978

No. 8/78.—On his transfer, Shri M. M. Shiraz, Assistant Collector, Central Excise Collectorate, Pune has assumed the charge of the Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur in the forenoon of 12th June, 1978, relieving Shri B. L. Ganjapure, Assistant Collector of the Additional charge.

M. R. PAROOLAKER
Collector.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 28th June 1978

No. A.32014/1/77-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Smt. Vijayam Ravindranathan Supervisor, on promotion to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a regular basis in an officiating capacity, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 17th June, 1978, until further orders.

2. Smt. Vijayam Ravindranathan will be on probation in the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from the aforesaid date.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission.

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS

(CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 30th June 1978

No. 1/16/69-ECIX.—Shri J. M. Benjamin, Chief Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30th June, 1978 (AN).

No. 1/333/69-ECIX.—The President is pleased to accept the notice dated 23-3-78 given by Shri Sangat Singh, Permanent Architect, CPWD, to retire from service. Accordingly Shri Sangat Singh stands retired from service with effect from 30-6-78 (AN).

KRISHNA KANT, Dy. Dir. of Admn.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

COMPANY LAW BOARD

Pandu, the 28th June 1978

No. E/55/III/92(9)—The following Officers of the Signal and Telecommunication Department are confirmed in Class II service as Assistant Signal and Telecommunication Engineer with effect from the date mentioned against each.

S.No.	Name of Officer	Date from which confirmed
1.	Shri K.C. Chakraborty	16-10-77
2.	Shri D.K. Ghosh	1-12-77

M.R.N. MOORTHY
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Home Properties Private Limited

Madras-600 006, the 30th June 1978

No. 869/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s. Home Properties Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of
M. M. Sales and Exports (India) Private Limited."*

Kanpur, the 30th June 1978

No. 6527/3158-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the M. M. Sales and Exports (India) Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

M. L. SAH
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur.

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of
Safri Travels Limited."*

No. 6591/3391-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Safri Travels Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 27th June 1978

ORDER

F. No. JUR/DLI/IV/III/78-79/9516—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Wards in Distt. III mentioned in Column 2 shall be redesignated as mentioned in Column 3.

Sl. No.	Present name of the ward	Redesignated name of the ward
1	2	3
1.	District III(7) Addl. New Delhi	District III-A(1), New Delhi.
2.	District III(30), New Delhi	District III-A(2), New Delhi.
3.	District III(1), New Delhi.	District III-A(3), New Delhi.
4.	District III(14), 1st Addl. New Delhi	District III-A(4), New Delhi.
5.	District III(2), New Delhi.	District IIIA(5), New Delhi
6.	District III 1st Addl. Survey Circle, New Delhi.	District III-A(6), New Delhi.
7.	District III(34), New Delhi.	District III-A(7), New Delhi.
8.	District III(7), New Delhi.	District III-A(8), New Delhi.
9.	District III(32), New Delhi.	District III-A(9), New Delhi.
10.	District III Vth Addl. Survey Circle New Delhi.	District III-A(10), New Delhi.
11.	District III(26), New Delhi.	District III-B(1), New Delhi.

1	2	3
12.	District III(16) Addl. New Delhi	District III-B(2), New Delhi.
13.	District III(16), New Delhi.	District III-B(3), New Delhi.
14.	District III (9), New Delhi	District III-B(4), New Delhi.
15.	District III(8), New Delhi.	District III-B(5), New Delhi.
16.	District III Survey Circle, New Delhi	District III-B(6), New Delhi.
17.	District III(18), New Delhi.	District III-B(7), New Delhi.
18.	District III(25), New Delhi.	District III-B(8), New Delhi.
19.	District III(5), New Delhi.	District III-C(1), New Delhi.
20.	District III(6), New Delhi.	District III-C(2), New Delhi.
21.	District III(4), New Delhi.	District III-C(3), New Delhi.
22.	District III(11), New Delhi.	District III-C(4), New Delhi.
23.	District III(24), New Delhi.	District III-C(5), New Delhi.
24.	District III(10), New Delhi.	District III-C(6), New Delhi.
25.	District III(12), New Delhi.	District III-C(7), New Delhi.
26.	District III Survey Circle, New Delhi.	District III-C(8), New Delhi.
27.	District III(13), New Delhi.	District III-C(9), New Delhi.
28.	District III(17), New Delhi.	District III-C(10), New Delhi.
29.	District III(3), New Delhi.	District III-D(1), New Delhi.
30.	District III(14), New Delhi.	District III-D(2), New Delhi.
31.	District III(15), New Delhi.	District III-D(3), New Delhi.
32.	District III(28), New Delhi.	District III-D(4), New Delhi.
33.	District III(29), New Delhi.	District III-D(5), New Delhi.
34.	District III(35), New Delhi.	District III-D(6), New Delhi.
35.	District III 3rd Addl. Survey Circle, New Delhi.	District III-D(7), New Delhi.
36.	District III 4th Addl. Survey Circle, New Delhi.	District III-D(8), New Delhi.

This order shall take effect from 1-7-1978.

INCOME-TAX

No. JUR/DLI/IV/78-79/9642.—In supersession of all previous orders under Section 124 and 127 on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi, hereby directs that the Income-tax Officers of District-III mentioned in column 2 of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of the areas, persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in Column 3 of the said Schedule other than persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which have been or may hereafter be assigned u/s. 124 and u/s. 127 of the said Act by the C.I.T./Board to any other Income-tax Officers :—

2. Within the limits of the areas assigned to any Income Tax Officer, he shall have jurisdiction :—

- (a) In respect of any person carrying on a business or profession, if the place at which he carries on his business or profession is situated within the area or where his business or profession is carried on in more places than one, if the principal place of his business or profession is situated within the area; and
- (b) In respect of any other person residing within the area.
- (c) This notification shall have effect from 1-7-1978.

The 1 July 1978

No. JUR/DLI/IV/IAC/78-79/9868—In partial modification of this office Notification F.No. JUR/DLI/IV/77-78/1476 dated 19-4-1977 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling power in this behalf, the Commissioner of Income-Tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, mentioned in Column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, under the said Act in respect of such area or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax officers of the District/Circles mentioned in column 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Name of the Range	Income-tax Districts/ Circles
1. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Range-III-A, New Delhi.	1. Distt. III-A-1 2. Distt. III-A-2 3. Distt. III-A-3 4. Distt. IIIA-4 5. Distt. III-A-5 6. Distt. III-A-6 7. Distt. III-A-7 8. Distt. III-A-8 9. Distt. III-A-9 10. Distt. III-A-10
2. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-III-B, New Delhi.	1. Distt. III-B-1 2. Distt. III-B-2 3. Distt. III-B-3 4. Distt. III-B-4 5. Distt. III-B-5 6. Distt. III-B-6 7. Distt. III-B-7 8. Distt. IIIB-8 9. Tpt. Circle, 10. 1st Addl. Tpt. Circle
3. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-III-C, New Delhi.	1. Distt. IIIC-1 2. Distt. IIIC-2 3. Distt. IIIC-3 4. Distt. IIIC-4 5. Distt. IIIC-5 6. Distt. IIIC-6 7. Distt. IIIC-7 8. Distt. IIIC-8 9. Distt. IIIC-9 10. Distt. IIIC-10
4. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-III-D, New Delhi.	1. Distt. IIID-1 2. Distt. IIID-2 3. Distt. IIID-3 4. Distt. IIID-4 5. Distt. IIID-5 6. Distt. IIID-6 7. Distt. IIID-7 8. Distt. IIID-8

The notification shall take effect from 1-7-1977.

OFFICE ORDER

Sub: Distribution of workload amongst T.R.Os

F. No. C I T-IV/JUR/TRO/78-79/In supersession of all previous orders on the subject, the C.I.T. Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the T.R.Os,

mentioned below shall perform their duties in respect of the District Wards as fall within the I.A.Cs Range mentioned column 4 with effect from 1-7-1978.

S. No.	Designation	Allocation of work	Administrative control of IAC
(1)	(2)	(3)	(4)
1. T.R.O. VI New Delhi	<i>Erstwhile wards</i> Distt. IIJ(1), IIJ(2) III (7) III (7) Addl. III (14) 1st Addl LEVA Cir. III(30) III(32), III(34) 1st Addl. sur. Cir. III All cases assigned u/s 125(1) to 100 IAC ACR-IIA. <i>Newly Redesignated Wards:</i> Ward III-A(1), III-A(2) III-A(3), III-A(4), III-A(5), III-A(6), III-A(7), III-A(8), III-A(9) & III-A(10)	I.A.C. III-A	
2. T.R.O. XII, New Delhi	(i) <i>Erstwhile Wards</i> Distt. III(8), III(9) III(16), III(16) Addl. III(18), III(25), III(26), Survey Circle III (ii) Transport Circle, New Delhi. (iii) 1st Addl. Transport Circle, New Delhi. <i>Newly Redesignated Wards:</i> (i) Ward III-B(1), III-B(2) III(B)(3), III(B)(4), III(B)(5) III(B)(6), III(B)(7) & III(B)(8) (ii) Transport Circle. (iii) 1st Ad 1. Transport Circle, New Delhi.	I.A.C. III-B	
3. T.R.O. VII New Delhi.	Distt. III(4), III(5), III(6), III(10), III(11) III-C III(12), III(13) 2nd Addl. Survey Circle III, III(17) and III(24). <i>Newly redesignated wards:</i> III(C)(1), III-C(2), III-C(3), III-C(4), III-C(5), III-C(6), III-C(7), III-C(8), III-C(9) and III-C(10)	I.A.C. Range III-C	
4. T.R.O. XIX New Delhi	<i>Erstwhile wards:</i> 1. Districts III(3), III(14), III(15), III(28), III(29) and III(35). 2. 3rd Addl. Survey Cir- cle-III New Delhi. 3. 4th Addl. Survey Cir- cle-III New Delhi. <i>Newly redesignated wards:</i> District III-D(1) District III-D(2) District III-D(3) District III-D(4) District III-D(5) District III-D(6) District III-D(7) District III-D(8) New Delhi.	I.A.C. Range- III-D New Delhi	

A.J. RANA,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-IV, New Delhi.

FORM ITNS—

- (1) Smt. Kamla Devi
(Transferor)
- (2) Smt. Shanti Devi
(Transferee)
- (3) Shri Bamniwas Agarwal Badri Nath Agnihotri & husband of Smt. Shanti Devi.
(Person in occupation of the property)
- (4) Ed. Rooswalt
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

95/43 situated at Arya Samaj Mandir Road, Ganesh Ganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 21-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought, to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 95/43 measuring 188.005 Sqr. Meter at ground floor and 104 Sqr. meter at 1st floor situate at Arya Samaj Mandir Road Ganesh Ganj, Lucknow and all that mentioned in sale deed and form 37-G No. 3969 dated 21.11.1977 registered at the office of Chief Sub-Registrar, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK**

(1) Sh. Vijay Kumar Sehgal s/o Sh. Dwarka Dass Sehgal, C/o Sehgal Sanitary Fittings (P) Ltd., Vill. Chuharwali, p.o. Adampur Doaba. Distt. Jullundur (Punjab).

(Transferor)

(2) Sh. Parma Nand Garg s/o Sh. Ram Kishan Dass R/o 308, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) (i) State Bank of India, Ground Floor, H.No. 3183, 21-D, Chandigarh.

(ii) Sh. P. C. Gupta, H.No. 3183, 21-D, Chandigarh.

(iii) Sh. Ram Nath Thapner, H.No. 3183, 21-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. CHD/108/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2½ storey house No. 3183, Sector 21-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house No. 3183, situated at Sector 21-D, Chandigarh and having an area of 249.40 sq. yds.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1297 dated 28-2-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Chandigarh."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. CHD/105/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 1049, Sector 27-B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Chandigarh in February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—166GI/78

(1) Sh. Tara Singh s/o Sh. Wasawa Singh,
R/o 610, Sector 18, Chandigarh.
(Transferor)

(2) (i) Smt. Piem Lata Gupta W/o Ch. Partap Singh,
Sh. Partap Singh,
(ii) Sh. Mohit Kumar Singh minor s/o Sh. Partap Singh,
Both residents of 47, Industrial Area,
Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1049, Sector 27-B, Chandigarh and having an area of 1497. 55 sq. yds.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1282 dated 27-2-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Chandigarh."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s United Builders, H.No. 9-1-41 at M.G. Road Secunderabad. Partnership Firm.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amina Begum, H.No. 11-5-196 at Red Hills, Hyderabad.
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 1st July 1978

Ref. No. RAC. No. 84/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4 in 1-7-27 to 34 situated at M.G. Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi, No. 4 in premises No. 1-7-27 to 34 and 1-7-206 & 228 (Old) 139 (New) at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1913/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 1-7-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 1st July 1978

Ref. No. RAC. No. 85/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Mulgi Nos. 32, 33 in 1-7-26-34 situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(1) M/s United Builders, Registered firm, H. No. 9-1-41 at Tabacco Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mezahar Sultana, H. No. 11-5-196 at Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgi Nos. 32 and 33 in Building No. 1-7-26 to 34 and 1-7-206 to 228 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1861/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 1-7-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) M/s United Builders, Partnership Firm
9-1-41 at Tobacco Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rama Bai,
H. No. 15-7-247 at Bedum Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 1st July 1978

Ref. No. RAC. No. 86/78-79.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mulgi No. 24 in 1-7-27 to 34 situated at M.C. Road, at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 24 in the Building No. 1-7-27 to 34 and 206 to 228 at M.G. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1859/77 with the sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 1st July 1978

Ref. No. RAC. No. 87/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 Shop No. 15 in 1-7-27 to 34,
 situated at M.G. Road, Secunderabad
 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November, 1977
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s United Builders, Registered Firm, H. No. 9-1-41 at Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Padma Bai, H. No. 15-7-247 at Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 15 in the Building No. 1-7-27 to 34 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1860/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 1st July 1978

Ref. No. RAC. No. 88/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mulgi No. 8 in 139 situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s United Builders, Registered Firm, at H. No. 9-1-41 at Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Rukmaiah
H. No. 8-1-17 at Market Street, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 8 in Building No. 139 at M.G. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2097/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-JI,
MADRAS-6**

Madras-6, the 1st July 1978

Ref. No. 5866/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 68, II Main Road,

situated at Gandhinagar, Adyar, Madras-20 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR I, Saidapet (Madras) (Doc. No. 430/77) on 14-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. T. S. Shankar
2. T. S. Venkata Sadasivam
Sarangapani Block, 18th Cross Road, 6th Main Malleswaram, Bangalore-55.
3. Vepa Shakunthala, No. 22-A, Josier St., Madras-34.
(Represented by Vepa A. Murari)
4. Shantha Sarathi, No. D-11/59/1 Andrews Ganj, New Delhi.
(Represented by Shri T. S. Shankar)
5. Mrs. Chandra Rao, M-2 Observator Bungalow, Todi Road, New Delhi-3
(Represented by Shri T. S. Shankar).

(Transferor)

- (2) Shri P. G. Srinarayanan
S/o Shri P. N. Ganesan
No. 15 Judge Jambulinga Mudaliar Road, Mylapore, Madras.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I land measuring 5 Grounds and 1045 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 68, II Main Road, Gandhi Nagar, Adyar, Madras-20.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 1-7-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. V. Rajagopala Iyer
No. 7 Ganeshram colony
Srinivasa Avenue Road,
Madras-28.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Ramanathan
No. 2-1- Desikachari Road,
Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 1st July 1978

Ref. No. 5872/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding RS. 25,000/- and bearing No.

19/A, Murrays Gate Road, situated at Alwarpet, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Madras) (Doc. No. 917/77) on 14-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building bearing Municipal Door No. 19/A, Murray's Gate Road, Alwarpet, Madras-18 Sri Ram'. (The transfer includes fixture attached viz. fans, lights and motor-pump, etc.).

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II,
 MADRAS-6

Madras-6, the 1st July 1978

Ref. No. 5900/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 8, situated at Ramaswami St., Madras-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras North (Doc. No. 3022/27) on October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Y. Ramalakshmi Narasimhan;
 S/o Shri Pitchayya Sastrigaru

&

Venkateswara Sastry (Minor)
 (Represented by Y. Ramalakshmi Narasimhan)
 No. 8 Ramaswamy St., Madras-17.

(Transferor)

(1) Shri V. Obaidur Rahman
 S/o Shri V. A. Haleem Sahib; and
 2. Shri V. Khalcel Ahmed
 S/o Shri V. Abdulla Mallik Sahib
 No. 17 Radhakrishnan St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 Grounds and 1693 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 8, Ramasamy Street, T. Nagar, Madras-17.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—166GI/78

Date : 1-7-78
 Seal :

FORM ITNS

(1) P. V. Krishnamoorthy & others,
No. 5 Raja Char St.,
Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6**

Madras-6, the 1st July 1978

Ref. No. F. 5944/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, Raja Char St., situated at T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 761/77) on 25-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7471 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 5 Raja Char St., Madras-17.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-7-78
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,****SHILLONG**

Shillong, the 9th June 1978

Ref. No. A-185/KRJ/78-79/1992-93.—Whereas, I,

EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 5056 and 5057, Khatian No. 3408, situated at Paigana Kusiarkul, Mauza Banamali, Karimganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimganj on 13-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gibinda Chandra Saha, s/o Late Nityananda Saha, Antony Bazar Lane, Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Shri Saumandu Bhattacharjee, s/o Shri Sanat Kumar Bhattacharjee, Brajendra Road, Ward No. 5, Karimganj, Cachar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2095 Sft. along with a building measuring 1700 Sft., situated at Madan Mohan Road, Karimganj Bazar, in the district of Cachar, Assam.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 9-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/Oct.I(3)/155/77-78/1631.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-273, situated at Greater Kailash-I, New Delhi
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 5-10-1973

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

(1) M/s. Ganesh Dass Ramgopal (Firms)
Through partner Smt. Lakshmi Jhunjhunwala,
1, Chitranjan Avenue, Calcutta-13.
(Transferor)

(2) Mrs. Usha Maira W/o Sh. A. B. Maira
R/o B-273-B, Greater Kailash-I,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid person with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building constructed on plot No. B-273-B,
measuring 325 sq. yds, situated at Greater Kailash-I, New
Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI-110001
New Delhi, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/328/Feb/77-78/1631.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

18/3, situated at Kalkaji, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 17-2-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(1) Shri Gurdit Singh Chhabra, S/o
Sh. Jagira Mal, r/o
18/3, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kulbir Kaur, W/o
S. Mohinder Singh, r/o
19/11, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

A double storeyed property No. 18/3, measuring 200 sq.
yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 3-7-1978

Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.**

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/996.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Talkies, situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 26-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri C. A. Phalke;
2. Shri Shivajirao Phalke;
3. Shri Shambhaji Rao Phalke,
4. Shri Awaji Rao Phalke,
all sons of Late Shri A. B. Phalke &
Smt. Kanchanmala Phalke, W/o
Shri Annaji Rao Phalke,
all r/o Phalke Bazar,
Gwalior.

(Transferor)

- (2) Smt. Nirmala Shivhare w/o
Shri Harikishan Shivhare,
R/o Gyan Bhavan, Khula Santar, Morar,
Gwalior.

(Transferee)

- (3) Seller

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna Theatre-1/2 Portion, bearing Municipal No. 1329/7, Ward No. 4, at Gwalior.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/997.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House & etc., situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 31-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Radhakrishan s/o
Shri Isrimal,
R/o Nebra, Teh. Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Sawarmal Padia s/o
Shri Dwarkadas Padia,
r/o Kacheri Road, Raurkela,
Distt. Sundergarh, Orissa.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 597 with godown shed at Village Nebra, Mohalla Mohatta Para, Teh. & Distt. Raipur, Municipal Area, Tilde, Nebra.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMF-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/998.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 5-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- S/Shri
 (1) 1. I. Sahashmal;
 2. Mohanlal
 S/o Shri Seth Gulabchand;
 3. Satishkumar;
 4. Shri Surendrakumar
 S/o Shri Kesharmal Chabra,
 r/o Vivekanand Nagar, Raipur.

(Transferors)

- (1) 1. Smt. Ishwaribai w/o Shitaldas
 2. Shri Chanchaldas s/o Dulhanamal,
 3. Smt. Kikibai w/o Dulhanamal;
 r/o Haripara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. 19/205, situated at Machholi Talao Ward, Gudiyari, Raipur.

R. K. BALI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(1) Shri Rupkaran Maroti s/o
Shri Siddhakaran Maroti,
1/o Bhoipara, Durg.

(Transferor)

(2) Shri Jivanchand s/o Shri Mangilal Kothari,
R/o Rajnandaon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/999.—Whereas I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Durg on 28-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House Property Nazual Sheet No 4-A, Plot No. 109/1-2 & 138/1, situated at Ganjpara, Durg.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

FORM ITNS

(1) Smt. Kamlabai w/o Kantilal Sawaria,
R/o Naharpura, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1000.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 27-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 15/592, 15/592-part, 15/593, 15/594, 15/597, at Jawahar Nagar Ward, Raipur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1001.—Whereas I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 10-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Dwarkadas s/o Shri Dayaldas, Balwani, r/o 42, Sindhi Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Hukmatrai s/o Shri Mattomalji Rajdev, r/o 15, Sindhi Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storeyed H. No. 139, situated at Sindhi Colony, Berasia Road, Bhopal.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Premkumar Kirorimal Kaushik,
r/o H. No. 5, St. No. 8, Parsi Mohalla,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ugamchand Harakchand Betala,
R/o 93-94, Janki Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1002.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 20-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Open Plot bearing No. 85, Janki Nagar Colony, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Raipur Cycle Agency,
Jai Stambh Chowk,
Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Ahmad Ali Farishta s/o Shri Ibrahimhai,
1/o Raja Talao, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/78-79/1003.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 27-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building on Plot No. 2, sub-plot No. 26, Block No. 77, at Mudhapara Ward, Raipur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE,
 BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1004.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop & House, situated at Sironj, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sironj on 20-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mehbubnissa Begum wd/o
 Moulana Abdul Rahim,
 r/o Sironj.

(Transferor)

(2) Shri Srivallabh s/o Chhatulal Agarwal,
 r/o Sironj, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop with house situated at Jawahar Bazar, Sironj, District Vidisha.

R. K. BALI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978
 Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kusum Agarwal w/o
Shri Rupnarayan Agarwal,
r/o Modhapara, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Chandrikabai w/o
Thakur Badrisingh,
2. Smt. Ashas Singh w/o
Shri Balram Singh,
r/o Chhatapara, Bilaspur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1005.—Whereas I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Raipur on 3-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Double storeyed house No. 5/462, situated at Modhapara Ward, Raipur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bulakhidas s/o
Shri Badridass Nathani,
r/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1006.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Plot, situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 16-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Bhimandas;
2. Shri Brijjal sons of Shri Kodomal Sindhi,
r/o Ahmedji Colony, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing No. 2/6, 14/5 & 15/4 (Part) Block No. 19, situated at Civil Lines, Raipur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramnarain Verma s/o
Shri Raghunandanlal Verma, r/o
100/5, Seesa Line, G.C.P. Estate, Jabalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1007.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Narsinghpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsinghpur on 16-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.865 hect. land at Khasra Nos. 30, 32 & 241, Mauja Naktua, Bandobast No. 270, Teh. & Distt. Narsinghpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—166GI/78

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bulakidas Nathani s/o Shri Badridas Nathani,
Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Naraindas s/o Shri Chandanmal r/o Naharpura
City Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1008.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 9-11-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open Plot No. 2/6,14/5, & 15/4, block No. 19, at Civil Lines, Raipur,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transeree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Harsh Pateria s/o. Shri Sushilkumar Pateria,
r/o Gol Bazar, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Shri Santosh Kumar s/o Mulayam Chandra Jain,
r/o Galgala, Jabalpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.**

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1009.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 14-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 142, (Part) and 142/1, 141/1, & 141/3 (part) Nazul Plot No. 123, Block No. 101, 102 with land area 1800 sq. ft. at Jonesganj, Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-78

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Harsh Pateria s/o. Shri Sushilkumar Pateria,
r/o Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

(2) Smt. Pushpabai Jain w/o Shri Nirmalchand Jain,
r/o Hanumantal, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1010.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 14-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Municipal No. 143 (Part), 142, 142/1 and 144/7, Nazul Plot No. 123, Block No. 101, 102 with land area of 1200 sq. ft. at Jonesganj, Jabalpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1978

Seal

FORM ITNS

- (1) Shri Harsch Pateria s/o. Shri Sushilkumar Pateria,
r/o Gol Bazar, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Shri Satyendra Kumar Jain S/o Shri Sheelchandia
Jain, R/o Sarafa, Jabalpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1011.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 14-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Municipal No. 141/6 (Part), Nazul Plot No. 123, Block No. 101, 102, with land area of 390 sq. ft., Jonesganj, Jabalpur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1012.—Whereas, I,
R. K. BALI,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer
at Jabalpur on 19-11-77,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11
of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

- (1) Shri Harsh Pateria s/o. Shri Sushilkumar Pateria,
r/o Gol Bazar, Jabalpur.
(Transferor)
(2) Shri Bageshwari Prasad Srivastava, S/o Shri Munshi
Ambaprasad Srivastava,
R/o Tularam Chowk, Ganjipura Wd., Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 143/1 upper portion of 143, and 141/11
(part), Nazul Plot No. 123, Block No. 101 and 102, area
1200 sq. ft. at Jonesganj, Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Harsh Pateria s/o. Shri Sushilkumar Pateria,
r/o Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Premchand Harishchand Jain,
R/o Jonesganj, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1013.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 16-12-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Municipal Plot No. 123 (part) Block No. 101, 102, with land area of 4292 sq. ft at Jonesganj, Jabalpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Joseph, (2) Mary (3) Thomas (4) Simon
 (5) Pouly (6) Titus (7) Alice (8) Mary (Legal
 heir of late Rochus) (9) Jossy Rochus (by Mary)
 (10) Jessy (11) Joy (by Mary) (12) Jolly (by
 Mary) (13) Jerry (by Mary).

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) Abdul Rahiman
 (ii) Abu.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
 MAFEENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
 COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. I.C. 189/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

No. as per schedule situated at Ernakulam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 27-10-1977,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

17 cents of land with buildings in Sy. No. 625/4 of Ernakulam village.

P. O. GEORGE,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 8/6/1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME TAX.****ACQUISITION RANGE.****MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM.
COCHIN-682016**

Cochin-682016, the 8th June 1978

Ref. No. I.C. 190/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 27-10-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—166GI/78

- (1) (1) Mary, D/o. Akkappillil Lonan, Kovilvattom, Ernakulam.
- (2) Pauly, D/o. Akkappillil Lonan, Kovilvattom, Ernakulam.
- (3) Alice, D/o. Akkappillil Lonan, Kovilvattom, Ernakulam.

(Transferors)

- (2) (1) Abdul Rahman, S/o Vyppiyadath Haji Kunhu Muhammed.
- (2) Abu S/o. Vyppiyadath Haji Kunhu Muhammed.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14.300 cents of land with buildings in Sy. No. 625/4 of Ernakulam village.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8/6/1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Indumati Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bibhuti Bhushan Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 72/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 80 situated at Mouza-Badagad(W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhubaneswar on 12-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The land with structure thereon situated at mouza Badagad (W), Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No. 6873 dated 12-10-77.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shrimati Kaja Bewa, W/o Nalu Sahoo.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bijoy Kumar Pattanaik S/o. Brahamananda Pattanaik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bhubaneswar-9, the 6th July 1978

Ref. No. 72/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. situated at Chauliaganj,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at
at Cuttack, Dist. Sub-Registrar on 16-11-1977,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located at Chauliaganj, Cuttack under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by sale document No. 5677 dated 16-11-77.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 6-7-1978.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th June 1978

Ref. No. Acq/1526-A/Meerut/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Meerut on 15-11-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) S/Shri Shyam Manohar S/o. Shri Damodar Das and Smt. Santosh Monohar and Rajeev Manohar S/o. Shyam Manohar, R/o. 207, West End Road, Meerut Cantt.

(Transferor)

(2) S/Shri Bhagwat Das S/o. Shri Nath Mal, R/o. 207, West End Road, Meerut Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property consisting of land and building bearing Plot No. 2, House No. 207, West End Road, Meerut Cantt. Transferred for an apparent consideration of Rs. 66,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-6-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th June 1978

Ref. No. Acq/1495-A/B.Shahar/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 12-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Rai Bareilly Flour Mills, Bulandshahr, through Vijai Kumar Singhal and Smt. Parsandi Devi, 312, Thapar House, Meerut.

(Transferor)

(2) Rai Bareilly Flour Mills Pvt. Ltd., C-32, Larence Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable Property consisting of Rai Bareilly Flour Mills with land situated at Anupshahar, Road, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 3,21,319/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-6-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th May 1978

C.R. No. 62/12388/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 87, old No. 1782(2), situated at 1st Main of Temple Road, 11th Cross, Malleswaram, Bangalore-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1793/77-78 on 5-10-1977,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. Krishnamoorthy alias Varadappa Shetty, S/o Late N. V. Narasimhaiah, No. 160, Lakshmi Narayanaapuram, Main Road, Bangalore City. (Transferor(s))
- (2) Shrimati S. Bharathalakshamma, W/o. Sri S. Satyanarayana, (No. 87, Old No. 1782 (2) 1st Main of Temple Road, 11th Cross, Malleswaram, Bangalore-3. (Transferees))
- (4) Sri S. Satyanarayana, Sri A. Y. Krishnamurthy. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1793/77-78 dated 5-10-1977]
Property bearing No. 87, Old No. 1782(2), 1st Main of Temple Road, 11th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

Boundaries :

East : Sri Karanta's property
West : Sri Jeergi's property
North : 11th Cross Road and,
South : Sri Srikanthaiah's property.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-5-1978
Seal :

FORM ITNS _____

(1) (1) Shri T. Sethu Rama Rao } Sons of Late T.
- (2) T. Srinivasa Murthy } Subramaiah.
(3) Shri T. S. Ramesh } Children of T. Sethu
- (4) Miss T. S. Sharada } Rama Rao

All residing at No. 6/15, Police Station Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimati V. Hemavathi,
W/o Dr. Chikkananjappa,
No. 2, South Public Square,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bangalore-560 001, the 26th May 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

[Registered Document No. 1477/77-78 Dated 6-10-77]

Western portion of the property consisting of vacant land with compound wall bearing No. 13/1, Police Station Road, Basavanagudi, Bangalore-4.
Boundaries :

North : Police Station Road,
East : Existing building bearing No. 6/15 and
the vacant land in front and back of this bldg.
belonging to the vendors.
South : Conservancy lane and
West : Private property belonging to Sri V.
Gopal Rao.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-5-1978

Scal.:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Badrunnis, W/o. P. Mohd. Yakub Sahib, No. 166/9, III Cross Road, Lakkasandra, Extn., Wilson Gardens, B'lore. (Transferor)

(2) Shri A. G. Mohd. Sanaulla, S/o. A. G. Dastagir, Engineer, I.N.L. No. 10, 11th Main road, 4th 'T' Block, Jayanagar, B'lore-11. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th June 1978

C.R. No. 62/13284/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property bearing No. 166/9, situated at III Cross Road, Lakkasandra Extn. (Div. No. 36), Wilson Garden, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, B'lore, Doc. No. 1755/77-78 on 24-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1755/77-78 dated 24-10-1977]
Property bearing No. 166/9, III Main Road, Lakkasandra Extn. Wilson Garden, B'lore (Div. No. 36).

Boundries :

East : Road
West : Site No. 176
North : Site No. 165 and
South : Site No. 167.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE 27

Bangalore-27, the 26th May 1978

C.R. No. 62/13475/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Property bearing New No. 243 (Old No. 222) situated at III Main Road, Chamarajpet, B'lore City (Dn. No. 26), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, B'lore, Doc. No. 1460/77-78 on 6-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—166GI/78

(1) Dr. Venkatesh Rama Rao,
S/o. Dr. K. Rama Rao,
Retd. Medical practitioner, No. 31,
Shankar Mutt Road, Shankarapuram, B'lore-4.
(Transferor)

(2) Shri R. Ramamurthy,
S/o. N. Rajagopal Naidu,
(Reid. Engineer, M/s. Binny Ltd. B'lore),
No. 243, Padmalaya, Chamarajpet, B'lore-18.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1460/77-78 dated 6-10-77]
Property bearing New No. 243, (old No. 222), III Main Road, Chamarajpet, B'lore City (Dn. No. 26).
Boundaries :

East : House No. 244 of Sri Venkatesh Murthy,
West : House No. 242 of Sri Krishna Reddy,
North : Conservancy lane and
South : III Main Road, Chamarajpet.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-5-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri W. H. Hanumanthappa,
S/o. Hudi Hanumanthappa,
5/27, H.H. Lane, Kilari Road, Bangalore.
(Transferor)
- (2) Shri K. Venkobasa, S/o. Santhusa,
No. 4/1, Sourashtrapet, Bangalore-2.
(Transferee)
- (3) (1) Smt. Lakshmamma
(2) Smt. Rangamma
(3) Smt. Padamma.
(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th June 1978

C.R. No. 62/14455/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. Residential house bearing Municipal No. 5127, situated at Hudi Hanumanthappa Lane, Killary Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 2199/77-78 on 7-11-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[registered Document No. 2199/77-78 dated 7-11-77]
Residential house bearing Municipal No. 5/27, Hudi Hanumanthappa Lane, Kilari Road, Bangalore.
Boundries :

East : Govindappa's house
West : T. Rangaswamy's house
North : Municipal Lane of Doddahai and Hanumappa's house and
South : Smt. Eramma's property.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 14-6-1978.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shrimati G. Suryakumari, W/o. Sri N. Puruthotham,
No. 33/1, Meance Avenue Road, Bangalore-42.
(Transferor)
- (2) Dr. A. B. Belliappa, S/o. late Sri A. B. Bopiah,
"Ramatheetha" Kutta P.O., South Coorg.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore, the 26th May 1978

C.R. No. 62/12923/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Premises bearing No. 17 situated at V Cross, Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore-5 (Division No. 49), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 1733/77-78 on 1-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1733/77-78 dated 1-10-77]
Premises bearing No. 17, V Cross, Hutchins Road,
St. Thomas Town, Bangalore-560005.
Boundaries :

North : Plot No. 17/1, sold to Mr. N. Purushotham,
South : Plot No. 47,
East : V Cross, Hutchins Road and
West : Plot No. 42 and 43.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 14-6-1978

Seal :

FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st June 1978

C.R. No. 62/13456/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property bearing No. 389/44 situated at 19th Main Road, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 2540/77-78 on 26-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri K. B. Jayaram,
S/o Sri Hosamane Byrappa,
No. 389/44, 19th Main Road,
I Block, Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferor(s))

(2) Shri R. Palaniswamy,
S/O Sri K. Rangaswamy,
No. 66, 2nd Cross,
Hutchins Road Extension,
Bangalore-560 005
OR
No. 4, Industrial Town,
Rajajinagar,
Bangalore-560 044.

(Transeree(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2540/77-78 dated 26-10-77.]
All that piece and parcel of House Property built in Trust Board Site No. 389, and at present bearing Corporation No. 44, situated in 2nd Division, 19th Main Road, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

Boundaries :

East : By Road,
West : By site No. 415/C
North : By site No. 388 and on the
South : By site No. 389A and Storm Water Drain,

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-6-78.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd June 1978

C.R. No. 62/13192/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Site No. 114, situated at Binnamangala Layout Mysore Sub-Area Officers' Housing Colony, Indiranagar, Bangalore. (Division No. 50)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 1857/77-78 on 17-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Saraswathy Venkataramaiah,
Widow of late Lt. Col. Y. V. Venkataramaiah,
'Aruna', Rashtriya Vidyanaya Road,
Basavangudi, Bangalore-4.

Transferor(s)

(2) Shri V. C. Venkatarami Reddy,
S/o Rami Reddy,
No. 35/2, Longford Road,
Bangalore-25.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1857/77-78, dated 17-10-77]
Vacant Site No. 114, in Binnamangala I layout, Mysore Sub-Area Officers' Housing Colony, Indiranagar, Bangalore (Divisions No. 50)

Boundaries :

North : Road
South : Premises No. 114
East : Premises No. 115 and
West : Premises No. 113.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-6-78.

Seal :

FORM ITNS— ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th June 1978

C.R. No. 62/13195/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-B, New No. 3, situated at C. J. D'Souza Road, Also known as Hayes Road Cross, Bangalore (Division No. 60) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 1880.7778 on 17-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Mr. M. C. Phillip, S/o late M. C. Chandy, No. 15-C, St. Mark's Road, Bangalore-560 001.
- (2) Mr. M. C. Thampi, S/o late M. C. Chandy, Chamundi Curing Works, Metagalli P.O., Mysore-6.

Transferor(s)

- (2) M/s. Pal and Paul Builders, a Partnership Firm, having its Office at No. G-84, Green Park, New Delhi, represented herein by its partner Mr. S. P. Uberoi.

Transferee(s)

- (4) Twenty two grand children of the late Mr. M. C. Chandy, No. 15-C, St. Mark's Road, Bangalore. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1880/77-78, dated 17-10-77]

All that piece and parcel of land with the main residential building, out buildings and the compound walls constructed thereon known as 'Manamal' and bearing Corporation Old No. 2-B, Residency Road, Corresponding to New No. 3, Hayes Road Cross, Bangalore-560 001. (Division No. 60)

Boundaries :

North by : C. J. D'Souza Road, also commonly known as Hayes Road Cross, Bangalore,

South by : Premises No. 7, Richmond Road, known as "Homeleigh",

East by : Premises No. 2, C. J. D'Souza Road, presently owned by Mr. D. V. Vishwanath, and

West by : Premises No. 4, C. J. D'Souza Road, Known as "The Laurels".

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-6-78.

Seal :

FORM I(FNS) —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-I

Bangalore-1, the 24th June 1978

C.R. No. 62/13213/78-79/Acq (B) -- Whereas I, J. S. RAO being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Corporation Old No. 9 New No. 21, situated at O No. 4th Street, Cavalry Road, Cross, Bangalore-560042 (Div No. 53)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore. Doc. No. 1969/77-78 on 28-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri D. Shanmugam,
s/o late Dakshinamurthy Mudaliar,
No. 136, Madhavaraya Mudaliar Road,
Fraser Town, Bangalore-5.

[Transferor(s)]

(2) Shri V. Panduranga Rao,
S/o late V. Subba Rao,
No. 3, G No. 1st Street, Lakshmana Mudaliar
Street Cross and Commercial Street Cross,
Bangalore-1.

[Transferee(s)]

(3) S/Shri
1. D. Balasubramanian
2. Subash Patave
3. Mundev Rao
4. Gajanan Rao

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1969/77-78, dated 28-10-77]

All that piece and parcel of building bearing Municipal Corporation No. Old No. 9, New No. 21 O No. 4th Street, Cavalry Road Cross, Bangalore-560042 (Division No. 53)

Boundaries :

N : Kolanda Chetty's house
S : O No. 4 Street
E : Seshappa Mudaliar's house
W : C. N Krishnamurthy's house

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 24-6-78.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 31st May 1978

Ref. No. Ac-7/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I R. V. LALMAWIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/17S, situated at Diamond Harbour Rd., Cal-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 18-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Nundlall Jalan, (2) Sri Jhabarmall Jalan, (3) Sri Inderchand Jalan, (4) Sri Mannalall Jalan, (5) Sm. Shanti Debi Jalan, (6) Sm. Sita Debi Jalan, (7) Sm. Chandrakanta Debi Jalan and (8) Sm. Annapurna Jalan, all of 10, Biplobi Rash Behari Basu Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Shri Nirode Kanti Ghosh, 8/1H, Diamond Harbour Road, Calcutta-27.

- *(3) Vendee. (Person in occupation of the property)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South-West Apartment No. 61D measuring 1660-sq. ft. at premises No. 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date : 31-5-1978,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Nanda Kumar Chowdhury &
Sm. Renuka Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Anjali Sen.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th June 1978

Ref. No. AC-14/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9B, situated at Abdul Rasul Avenue (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—166GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of entire 2nd floor of six storied building situated at 9B, Abdul Rasul Avenue, P.S. Tollygunge, Calcutta together with 1/5th share of land measuring 3 cottah 2 chittaks 23 sft more particularly as per deed no. 4804 of 1977.

P. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-6-1978.

Seal :

FORM ITNS —— .—

(1) Piyarelal Agarwalla & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lalit Kumar Agarwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 27th June 1978

Ref. No. AC-17/ Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Holding No. 98, Ward No. V of Siliguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 15-11-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1000 sft (physically undivided 1/3rd share of land measuring 4.17 cottahs) together with undivided 1/3rd share of two storied building situated at Holding No. 98, Ward No. V of Siliguri Municipality Siliguri, Darjeeling more particularly as per deed No. 6374 dated 15-11-1977.

P. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-6-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Piyarelal Agarwalla & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 27th June 1978

Ref. No. AC-18/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Holding No. 98, Ward No. V of Siliguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 16-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1000 sft (physically undivided 1/3rd share of land measuring 4.17 cottahs) together with undivided 1/3rd share of two storied building situated at Holding No. 98, Ward No. V of Siliguri Municipality Siliguri, Darjeeling more particularly as per deed No. 6394 dated 16-11-1977.

P. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-6-1978.

Seal:

FORM ITNS

(1) M/s Ashoka Marketing Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D1() OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Chandra Mukherjee,
P-66, Block-B, Lake Town, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th July 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Ac-10/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 No. 6, situated at Hastings Park, Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 30-11-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Apartment No. 21 of Rajshree constructed on a portion of 6, Hastings Park, Alipore, Flat area 161.37 sq. metres and cover parking space for one car.

R. V. LALMAWIA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-7-1978.
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1978

No. Acq. 23-I-1414(666)/10-4/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. "Sharda Talkies" S. No. 1194 and 1190 situated at Bethak Road, Jam Khambaliya, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khambaliya on 14-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Satwara Damji Hirabhai Nakum and others, Khambaliya, Dist. Jamnagar.
(Transferor)
- (2) (i) Satwara Vela Ranmal Nakum;
(ii) Satwara Rooda Ranmal Nakum;
(iii) Satwara Govind Ranmal Nakum;
(iv) Satwara Devji Ranmal Nakum;
'Sharda Talkies' Khambaliya, Dist. Jamnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Building known as "Sharda Talkies" situated on Bethak Road, bearing City Survey No. 1194 and 1190 ad-measuring 824.16 sq. mtrs. at Jam-Khambaliya—Dist. Jamnagar and as fully described vide sale-deed No. 811 registered on 14-11-77.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 2-6-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kanaklata Gunvantrai,
"Purusharth"
Jagnath Plot, Behind Rajkumar College,
Rajkot.

(Transferor)

- (2) (1) Dr. Anandram Hakumatri, (2) Shri Rupchand Hakumatri, (3) Smt. Mohiniben Lilaram, (4) Shri Hareshkumar Hakumatri, Sadar Bazar, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 380 009, the 22nd June 1978

No. Acq. 23-I-1568(672)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARikh

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Jagnath Plot, situated at Jagnath Plot
Behind Rajkumar College, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 21-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential building standing on land admeasuring 495-0-0 sq. yds bearing No. — Jagnath Plot, situated at Jagnath Plot, Behind Rajkumar College, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 2949 dated 21-11-1977. Ahmedabad.

S. C. PARikh,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dt. 22-6-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kanchangauri Jamnadas Kotak,
ShaktiPara,
Morbi.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Nirmala Jivabhai Sheth,
(ii) Smt. Jaishree Maheshwari Sheth,
(iii) Smt. Niranjana Dharmendrakumar Sheth,
C/o M/s. Jeram Mulji Kesiyawala,
Bazar-Lane, Morbi.

(Transferee)

(3) (1) Shri Valji Shivji Bardanwala
(2) Shri Vallabhdas Chhaganlal Dalal
(3) Shri Girdharlal Ravjibhai Dalal
(4) Shri Amritlal Devajibhai Dalal
(5) Patel Meghji Parshtottam
(6) Malia Taluka Kharid
Bechan Sangh
Nr. Old Tramway Rly. Line,
Shaktipara, Morbi.

(Person in occupation of the property)

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1978

Ref. No. Acq.23-I-1505(673)/16-5/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Opp. Grade Yard, Nr. Old Tramway Station Yard
situated at Old Panjra Pole, Morbi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Morbi on 18-11-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and the
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

The property consists of 8 garages standing on land admeasuring 444.43 sq. meters—situated opposite Grave Yard,
Near Old Tramway Station Yard, Old Panjra Pole, Morbi,
and as fully described in the sale deed registered vide Regn.
No. 2069 dated 18-11-1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 23-6-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th June 1978

Ref. No. Acq.23-I-1498(675)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 33, S. No. 387-388, situated at Behind S.T. Stand, Gondal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 3-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Polyride Plastic Industries, Through partners :
 (1) Shri Savajibhai Jiwabhai Patel
 (2) Shri Vinodkumar Savajibhai Patel
 (3) Smt. Manjula Rammiklal Patel
 (4) Shri Amritilal Savajibhai Patel
 (5) Shri Parshottambhai Premjibhai Patel
 (6) Vithalbhai Savajibhai Patel
 Self and as power of attorney holder of partners 1 to 5 60, Kotechanger, Kalavad Road, Rajkot.
 (Transferor)

(2) Shri Vrajlal Gokaldas Maveni Karta & Manager of H.U.F.
 Shri Vrajlal Gokaldas Maveni Mavani Sadan 2, Sardar Nagar-West, Rajkot-60001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 1022.4 sq. yds. bearing S. No. 387-388, Plot No. 33, situated at Behind S.T. Workshop, in the west of Mansaita Industries, West of Rajkot, Gondal Road, Rajkot, and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 2808 dated 3-11-77.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 30-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lallubhai Kevaldas Mistri,
9/509, Kotasfil, Main Road,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Thakorhai Tribhovandas,
Sagampura, Chogan Sheri,
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D1() OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th June 1978

Ref. No. P.R. No. 592 Acq.23-1031/19-8/77-78 —Whereas, I, D. C. GOEL

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 13 of Ward No. 9,
situated at Kotasfil Main Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 5-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the **said Act**, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 513, situated at Katasfil Main Road, Surat as described in the sale deed registered under registration No. 1918 in the month of November, 1977 by the registering Officer, Surat.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 29th June 1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 1st July 1978

Ref. No. P.R. No. 593 Acq.23-977/7-4/77-78.—Whereas,

I, D. C. GOEL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
Tika No. 60, City Survey No. 3101
situated at Ashanagar, Navsari
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at
Navsari in Nov. 1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely:—

- (1) 1. Bhikhiben Chhotalal Patel;
2. Girishkumar Chhotalal;
3. Kiritkumar Chhotalal;
P.A. Holder of 2 & 3
Shri Chhotalal Parshottamdas Patel;
Dhobivad, Navsari.

(Transferor)

- (2) Shri Pravinchandra Jivraj Mehta;
Urmilaben Pravinchandra Mehta;
Ashanagar, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Tika No. 60, City Survey No. 3101 of
Navsari, situated at Ashanagar, Navsari admeasuring 480-11
sq mts. as described in the sale-deed registered under regis-
tration No. 3175 in the month of November, 1977 by the
registering Office, Navsari.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Diwliben Chuthaji widow of Abhramji;
 2. Shri Prahlajdi Chuthaji Thakore;
 3. Bhalaji Chuthaji Thakore;
 All of village Vejalpur, Tal City
 Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Sarjan Park Co-op. Hsg. Society Ltd.,
 Through President :
 1. Shri Valjibhai Ramjibhai Jadav,
 Gandhinagar Sector No. 22, Block No. 2/3 and
 Secretary
 Shri Motibhai Dungerbhai Parmar,
 Block No. 24-B, Saurashtra Society, Ambawadi,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 5th July 1978

Ref. No. Acq.23-I-1438(680)/I-1/77-78.—Whereas, I,
 S. C. PARIKH
 being the Competent Authority under section 269B
 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 S. No. 568/1, 568/2, 568/3
 situated at Village Vejalpur, Tal. City Dist. Ahmedabad
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Ahmedabad in Nov. 1977
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land situated at Vejalpur village Tal. City
 Dist. Ahmedabad bearing S. No. 568/3 being 2057 sq. yds.
 as per sale-deed No. 7888 dated 24-11-1977 and open plot
 of land situated at Vejalpur village Tal. City Dist. Ahmedabad
 bearing S. No. 568/1 being 2299 sq. yds. and being
 S. No. 568/2 being sq. yds. 229 as per another sale-deed
 No. 7889 dated 24-11-77, duly registered by the registering
 Authority of Ahmedabad in the month of November, 1977
 and as fully described in the above two separate sale-deeds
 duly registered.

S. C. PARIKH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Ahmedabad.

Date : 5th July, 1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

